परमेश्वर के राज के सुसमाचार

इहे बा समाधान!

का रउआ जानत बानी कि यीशु कहले रहलें कि जब ले परमेश्वर के राज के सुसमाचार पूरा दुनिया में गवाही खातिर प्रचार ना कइल जाई, तब ले अंत ना आ सकेला?



“भेड़िया मेमना के साथे रही ... ऊ लोग हमार पूरा पवित्र पहाड़ पर ना त हानि करी आ ना नाश करी, काहेकि जइसे समुंदर पानी से भरल बा, ओइसहीं धरती प्रभु के ज्ञान से भर जाई।” (यशायाह 11:6,9)

लेखक

Bob Thiel, Ph.D.

परमेश्वर के राज के सुसमाचार
इहे बा समाधान!

लेखक Bob Thiel, Ph.D.

Copyright ©2016/2017/2018/2019/2022/2025/2026 by Nazarene Books. Edition 3.0. Booklet produced for the Continuing Church of God and Successors, a corporation sole. P.O. Box 109, Grover Beach, California, 93483, U.S.A. ISBN: 978-1-63660-113-7.

मनुष्य जाति आपन समस्या के हल काहे ना कर पावेले?

का रउआ जानत बानी कि बाइबिल में यीशु के पहिला आ आखिरी प्रचार परमेश्वर के राज के सुसमाचार के बारे में रहे?

का रउआ जानत बानी कि परमेश्वर के राज प्रेरित लोग आ ओह लोग के बाद आवे वाला पहिला अनुयायी लोग के मुख्य विषय रहे?

का परमेश्वर के राज यीशु के व्यक्ति ह? का परमेश्वर के राज इहे ह कि यीशु आज हमनी के भीतर आपन जीवन जियत बाड़ें? का परमेश्वर के राज कवनो भविष्य के असली राज ह? का रउआ ओह बात पर विश्वास करब जवन बाइबिल सिखावेला?

राज का ह? परमेश्वर के राज आखिर का ह? बाइबिल का सिखावेला? शुरुआती मसीही कलीसिया का सिखावत रहे?

का रउआ जानत बानी कि जब ले परमेश्वर के राज के सुसमाचार पूरा दुनिया में गवाही खातिर प्रचार ना कइल जाई, तब ले अंत ना आ सकेला?

सामने के कवर पर के फोटो में एगो मेमना भेड़िया के साथे लेटल देखाई देला, जेकरा के Burdine Printing and Graphics तइयार कइले बा। पाछे के कवर के फोटो यरूशलेम में परमेश्वर के मूल कलीसिया के भवन के एगो हिस्सा ह, जवन 2013 में Dr. Bob Thiel खींचले रहलें।

विषय-सूची

1. का मनुष्य जाति लगे समाधान बा? p. 4

2. यीशु कवन सुसमाचार के प्रचार कइले? p. 9

3. का पुराना नियम में परमेश्वर के राज के जानकारी रहे? p. 21

4. का प्रेरित लोग राज के सुसमाचार सिखवले? p. 27

5. नया नियम के बाहर के स्रोत भी परमेश्वर के राज के सिखवले। p. 37

6. यूनानी-रोमी कलीसिया सिखावेली कि राज महत्वपूर्ण बा, बाकिर... p. 58

7. परमेश्वर के राज काहे? p. 66

संपर्क जानकारी* *p. 74

ध्यान दीं: ई किताब अंग्रेजी संस्करण से कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा कइल गइल अनुवाद ह, एहसे कुछ अभिव्यक्ति मूल के पूरा तरे ना देखा सकेली, बाकिर आशा बा कि ऊ लोग मूल के लगे बाड़ी सन। अंग्रेजी संस्करण ऑनलाइन मुफ्त में www.ccog.org पर उपलब्ध बा।

1. का मनुष्य जाति लगे समाधान बा?

दुनिया के सामने बहुत समस्या बा।

बहुत लोग भूखल बा। बहुत लोग पर अत्याचार होत बा। बहुत लोग गरीबी झेलत बा। बहुत देश भारी कर्जा में डूबल बा। बच्चा लोग, जेह में गर्भ में रहे वाला बच्चा भी शामिल बा, दुर्व्यवहार के शिकार होत बा। दवाई से ना ठीक होखे वाला बेमारी बहुत डॉक्टर लोग खातिर चिंता के विषय बा। बड़-बड़ औद्योगिक शहर के हवा एतना प्रदूषित बा कि ऊ सेहत खातिर ठीक नइखे। तरह-तरह के नेता लोग युद्ध के धमकी देत बा। आतंकवादी हमला लगातार होत रहेला।

का दुनिया के नेता लोग मनुष्य जाति के सामने खड़ा समस्या के ठीक कर सकेला?

बहुत लोग एहीजा सोचेला।

नया वैश्विक एजेंडा

25 सितंबर 2015 के, वेटिकन के पोप फ्रांसिस के मुख्य भाषण के बाद, संयुक्त राष्ट्र (UN) के 193 देश ओह "17 सतत विकास लक्ष्य" के लागू करे खातिर वोट कइले, जेकरा के कबो-कबो नया वैश्विक एजेंडा कहल गइल। UN के 17 लक्ष्य ई बाड़े सन:

> लक्ष्य 1. हर जगह, हर रूप में गरीबी के खतम कइल
>
> लक्ष्य 2. भूख के खतम कइल, खाद्य सुरक्षा आ बेहतर पोषण हासिल कइल आ सतत खेती के बढ़ावा दिहल
>
> लक्ष्य 3. हर उमिर के सब लोग खातिर स्वस्थ जीवन सुनिश्चित कइल आ भलाई के बढ़ावा दिहल
>
> लक्ष्य 4. समावेशी आ समान गुणवत्ता वाला शिक्षा सुनिश्चित कइल आ सब लोग खातिर जीवन भर सीखे के अवसर के बढ़ावा दिहल
>
> लक्ष्य 5. लैंगिक समानता हासिल कइल आ सब महिला आ लइकी लोग के सशक्त बनावल
>
> लक्ष्य 6. सब लोग खातिर पानी आ स्वच्छता के उपलब्धता आ सतत प्रबंधन सुनिश्चित कइल

लक्ष्य 7. सब लोग खातिर सस्ता, भरोसेमंद, सतत आ आधुनिक ऊर्जा के पहुँच सुनिश्चित कइल

लक्ष्य 8. निरंतर, समावेशी आ सतत आर्थिक विकास, पूर्ण आ उत्पादक रोजगार आ सब लोग खातिर सम्मानजनक काम के बढ़ावा दिहल

लक्ष्य 9. मजबूत बुनियादी ढाँचा बनावल, समावेशी आ सतत औद्योगीकरण के बढ़ावा दिहल आ नवाचार के पोसल

लक्ष्य 10. देश के भीतर आ देश सभ के बीच के असमानता के कम कइल

लक्ष्य 11. शहर आ मानव बस्ती के समावेशी, सुरक्षित, मजबूत आ सतत बनावल

लक्ष्य 12. सतत उपभोग आ उत्पादन के तौर-तरीका सुनिश्चित कइल

लक्ष्य 13. जलवायु परिवर्तन आ ओकर असर से लड़े खातिर तुरंत कदम उठावल

लक्ष्य 14. सतत विकास खातिर महासागर, समुंदर आ समुद्री संसाधन के संरक्षण आ ओकर सतत उपयोग कइल

लक्ष्य 15. थल के पारिस्थितिकी तंत्र के रक्षा, बहाली आ सतत उपयोग के बढ़ावा दिहल, जंगल के सतत प्रबंधन कइल, मरुस्थलीकरण से लड़ल, आ भूमि के क्षरण के रोकल आ ओकरा के पलटल आ जैव विविधता के नुकसान के रोकल

लक्ष्य 16. सतत विकास खातिर शांतिपूर्ण आ समावेशी समाज के बढ़ावा दिहल, सब लोग खातिर न्याय के पहुँच उपलब्ध करावल आ हर स्तर पर प्रभावी, जवाबदेह आ समावेशी संस्था बनावल

लक्ष्य 17. लागू करे के साधन के मजबूत कइल आ सतत विकास खातिर वैश्विक साझेदारी के फेरु से जिंदा कइल

ई एजेंडा 2030 ले पूरा तरे लागू होखे के चाहीं आ एकरा के सतत विकास खातिर 2030 एजेंडा भी कहल जाला। एकर मकसद बा कि नियम-कानून, शिक्षा आ अंतरराष्ट्रीय एवं अंतरधार्मिक सहयोग के जरिए मनुष्य जाति के सामने खड़ा तकलीफ के हल

कइल जाव। हालाँकि एकर बहुत उद्देश्य नीमन बा, बाकिर एकर कुछ तरीका आ लक्ष्य बुरा बा (तुलना करीं उत्पत्ति 3:5)। ई एजेंडा दिवंगत पोप फ्रांसिस के लौदातो सी विश्वपत्र के भी अनुरूप रहे। पोप लियो चौदहवाँ भी एह 2030 एजेंडा के समर्थन में बयान देले बाड़ें।

“नया वैश्विक एजेंडा” के “नया कैथोलिक एजेंडा” भी कहल जा सकेला, काहेकि “कैथोलिक” शब्द के मतलब बा “वैश्विक।” पोप फ्रांसिस एह एजेंडा के अपनावे के “आशा के एगो महत्वपूर्ण चिन्ह” कहले रहलें।

UN के समझौता के बाद के कदम के रूप में, दिसंबर 2015 में पेरिस में एगो बइठक भइल (जेकर आधिकारिक नाम रहे जलवायु परिवर्तन पर UN फ्रेमवर्क कन्वेंशन के पक्षकार लोग के 21वाँ सम्मेलन)। पोप फ्रांसिस ओह अंतरराष्ट्रीय समझौता के भी सराहले आ देश सभ के सलाह देले कि ऊ लोग “आगे के रास्ता पर ध्यान से चले, आ लगातार बढ़त एकजुटता के भाव के साथे चले।”

दुनिया के लगभग सब देश पेरिस समझौता पर राजी भइल, जेह में खास पर्यावरणीय लक्ष्य आ आर्थिक प्रतिबद्धता रहे। (तब के अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा 2016 में अमेरिका के एह में शामिल करे खातिर एगो दस्तावेज पर दस्तखत कइले रहलें, बाकिर 2017 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कहले कि संयुक्त राज्य अमेरिका ओह पेरिस समझौता के स्वीकार ना करी आ ऊ अमेरिका के ओह से बाहर निकाल लेले। एह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत नाराजगी भइल आ एह से अमेरिका यूरोप आ दुनिया के बहुत हिस्सा से अलग-थलग पड़ गइल।) पोप फ्रांसिस कहले रहलें कि अगर मनुष्य जाति जलवायु से जुड़ल ओह बदलाव के ना करी त ऊ “डूब जाई।”

हालाँकि केहू ना चाहेला कि ऊ प्रदूषित हवा में साँस ले, भूखल रहे, गरीब होखे, खतरा में रहे, इत्यादि, बाकिर का संयुक्त राष्ट्र के 2030 एजेंडा आ/या पेरिस समझौता के लक्ष्य के हासिल करे के मानवीय कोशिश मनुष्य जाति के सामने खड़ा समस्या के हल कर दी?

संयुक्त राष्ट्र के अब तक के रिकॉर्ड

संयुक्त राष्ट्र के गठन आ स्थापना 24 अक्टूबर 1945 के, दुसरका विश्व युद्ध के बाद भइल, ताकि ओइसन कवनो दूसर संघर्ष के रोकल जा सके आ दुनिया में शांति के

बढ़ावा देवे के कोशिश कइल जा सके। स्थापना के समय UN में 51 सदस्य देश रहे; अब 193 बा।

संयुक्त राष्ट्र के गठन के बाद से दुनिया भर में सैकड़ों, बलुक हजारों संघर्ष भइल बा, बाकिर अबले ओइसन कुछ ना भइल बा जेकरा के तिसरका विश्व युद्ध कहल जा सके।

कुछ लोग मानेला कि संयुक्त राष्ट्र जइसन अंतरराष्ट्रीय सहयोग, जेकर ऊ बढ़ावा देवे के दावा करेला, आ ओकरा साथे ओह तरह के अंतरधार्मिक आ सर्वचर्च एजेंडा, जेकरा के पोप लियो चौदहवाँ आ बहुत दोसर धार्मिक नेता लोग बढ़ावे के कोशिश करत बा, शांति आ समृद्धि लेके आई।

बाकिर एह काम में संयुक्त राष्ट्र के अब तक के रिकॉर्ड नीमन नइखे रहल। संयुक्त राष्ट्र के गठन के बाद से भइल ढेर सारा सशस्त्र संघर्ष के अलावा, कई करोड़ लोग भूखल, शरणार्थी आ/या बहुत गरीब बा।

दशक भर पहिले संयुक्त राष्ट्र आपन सहस्राब्दी विकास लक्ष्य के लागू करे के काम शुरू कइले रहे। ओह में आठ गो "विकास लक्ष्य" रहे, बाकिर ऊ सफल ना भइल, खुद UN के अनुसार भी। एहसे, 2015 में एकर तथाकथित "17 सतत विकास लक्ष्य" अपनावल गइल। कुछ लोग आशावादी बा। कुछ लोग एकरा के एगो काल्पनिक सपना मानेला।

जहाँ ले आदर्श लोक (यूटोपिया) के बात बा, 6 मई 2016 के तब के पोप फ्रांसिस कहले रहलें कि ऊ एगो मानवीय यूरोपीय आदर्श लोक के सपना देखेलें, जेकरा के हासिल करे में ओकर कलीसिया ओह महादीप के मदद कर सकेले। बाकिर ओह पोप के सपना एगो दुःस्वप्न साबित होई (तुलना करीं प्रकाशितवाक्य 18)।

कुछ सहयोग आ सफलता हो सकेला, बाकिर ...

मेरियम वेबस्टर के शब्दकोश कहेला कि यूटोपिया "एगो काल्पनिक जगह ह जहाँ सरकार, कानून आ सामाजिक हालात एकदम सही बा।" बाइबिल सिखावेला कि मनुष्य जाति आपन समस्या के अपना दम पर हल ना कर सके:

> [23] हे प्रभु, हम जानत बानी कि मनुष्य के मार्ग ओकरा अपना बस में नइखे; चले वाला मनुष्य के ई अधिकार नइखे कि ऊ आपन डेग अपने से ठीक करे। (यिर्मयाह 10:23, जब ले कुछ आउर ना कहल जाव, हर जगह NKJV)

बाइबिल सिखावेला कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग असफल होई:

> [16] ओह लोग के रास्ता में नाश आ दुख बा; [17] आ शांति के मार्ग ऊ लोग ना जानल बा। [18] ओह लोग के आँख के सामने परमेश्वर के डर नइखे। (रोमियों 3:16-18)

फिर भी, बहुत आदमी आपन नजर के आदर्श समाज खातिर काम करत बा आ कबो-कबो ओह में धर्म के भी शामिल करे के कोशिश करेला। बाकिर लगभग केहू एक सच्चा परमेश्वर के रास्ता पर चले खातिर तइयार नइखे। ई बात नइखे कि संयुक्त राष्ट्र या वेटिकन के कवनो लक्ष्य के तरफ कवनो प्रगति ना होई। कुछ प्रगति होई (आ बहुत लक्ष्य नीमन बा), आ कुछ पीछे हटल भी होई।

असल में, आ शायद भारी संघर्ष के बाद, एक तरह के अंतरराष्ट्रीय शांति समझौता पर सहमति बनी आ ओकर पुष्टि होई (दानिय्येल 9:27)। जब ई होई, त बहुत लोग गलती से ई मान ली कि मनुष्य जाति एगो अउरी शांतिपूर्ण आ आदर्श समाज ले आवत बा।

बहुत लोग एह तरह के अंतरराष्ट्रीय 'आदर्श प्रगति' से धोखा खा जाई (तुलना करीं यहेजकेल 13:10) आ तरह-तरह के चिन्ह आ अचरज से भी (2 थिस्सलुनीकियों 2:9-12)। बाकिर बाइबिल कहेला कि ओइसन शांति टिकी ना (दानिय्येल 9:27; 11:31-44), चाहे नेता लोग जवन दावा करे (1 थिस्सलुनीकियों 5:3; यशायाह 59:8)।

ई विचार कि यीशु के बिना (तुलना करीं यूहन्ना 15:5; मत्ती 24:21-22) मनुष्य जाति एह 'वर्तमान बुरा युग' में आदर्श लोक ले आ सकेले, एगो झूठा सुसमाचार ह (गलातियों 1:3-10)।

अगर अकेले मनुष्य जाति सच में आदर्श लोक ले आवे में पूरा तरे असमर्थ बा, त का कवनो तरह के आदर्श लोक संभव बा?

हँ।

परमेश्वर के राज एह धरती के, आ बाद में पूरा अनंत काल के, अद्‌भुत रूप से बेहतर बना दी।

2. यीशु कवन सुसमाचार के प्रचार कइले?

बाइबिल सिखावेला कि एगो आदर्श समाज, जेकरा के परमेश्वर के राज कहल जाला, मानवीय सरकार सभ के जगह ले ली (दानिय्येल 2:44; प्रकाशितवाक्य 11:15; 19:1-21)।

जब यीशु आपन सार्वजनिक सेवकाई शुरू कइले, त ऊ **परमेश्वर के राज के सुसमाचार** के प्रचार से शुरू कइले। मरकुस जवन बतवले बा ऊ ई ह:

> 14 जब यूहन्ना पकड़वा के जेल में डाल दिहल गइल, तब यीशु गलील में अइले
> आ परमेश्वर के राज के सुसमाचार के प्रचार करे लगले, 15 आ कहले, "समय
> पूरा भइल बा, आ परमेश्वर के राज नगीचे बा। मन फिरावीं, आ सुसमाचार
> पर विश्वास करीं।" (मरकुस 1:14-15)

सुसमाचार शब्द यूनानी शब्द से आइल बा जेकर लिप्यंतरण euangelion ह, आ जेकर मतलब बा "नीमन संदेश" या "नीमन खबर।" नया नियम में, परमेश्वर के राज से जुड़ल अंग्रेजी शब्द "kingdom" NKJV में लगभग 149 बेर आ डूए राइम्स बाइबिल में 151 बेर आइल बा। ई यूनानी शब्द से आइल बा जेकर लिप्यंतरण basileia ह, जेकर मतलब राजसत्ता के शासन या राज्यक्षेत्र होला।

मानवीय राज के, आ परमेश्वर के राज के भी, एगो राजा होला (प्रकाशितवाक्य 17:14), ऊ लोग एगो भौगोलिक क्षेत्र में फइलल होला (प्रकाशितवाक्य 11:15), ओकर नियम होला (यशायाह 2:3-4; 30:9), आ ओकर प्रजा होला (लूका 13:29)।

मत्ती जवन यीशु के पहिला सार्वजनिक शिक्षा के लिखले बा ऊ ई ह:

> 23 आ यीशु पूरा गलील में घूम-घूम के ओह लोग के आराधनालय में शिक्षा
> देत आ राज के सुसमाचार के प्रचार करत रहलें, (मत्ती 4:23)

मत्ती ई भी लिखले बा:

> 35 तब यीशु सब नगर आ गाँव में घूम-घूम के ओह लोग के आराधनालय में
> शिक्षा देत आ राज के सुसमाचार के प्रचार करत रहलें, (मत्ती 9:35)

नया नियम देखावेला कि यीशु सदा खातिर राज करीहें:

> [33] आ ऊ याकूब के घराना पर सदा खातिर राज करीहें, आ ओह लोग के राज के कवनो अंत ना होई। (लूका 1:33)

लूका लिखले बा कि यीशु के भेजे के मकसद इहे रहे कि ऊ परमेश्वर के राज के प्रचार करसु। ध्यान दीं कि यीशु का सिखवले:

> [43] ऊ ओह लोग से कहले, "हमरा के दोसर नगर सभ में भी परमेश्वर के राज के प्रचार करे के बा, काहेकि एहिजे खातिर हम भेजल गइल बानी।" (लूका 4:43)

का रउआ कबो ई प्रचार कइल सुनले बानी? का रउआ कबो ई समझले बानी कि यीशु के भेजे के मकसद परमेश्वर के राज के प्रचार कइल रहे?

लूका ई भी लिखले बा कि यीशु सचमुच जा के परमेश्वर के राज के प्रचार कइले:

> [10] आ प्रेरित लोग जब लवट के अइल, त ओह लोग यीशु के सब कुछ बतवल जवन ऊ लोग कइले रहे। तब ऊ ओह लोग के लेके अलग से बैतसैदा नाम के नगर के एगो सुनसान जगह में चल गइलें। [11] बाकिर जब भीड़ के ई पता चलल, त ऊ लोग ओकरा पाछे हो लिहल; आ ऊ ओह लोग के अपना लगे लिहलें आ ओह लोग से परमेश्वर के राज के बारे में बतियवले। (लूका 9:10-11)

यीशु सिखवले कि जे ओकरा पाछे चले, ओह लोग खातिर परमेश्वर के राज सबसे बड़ प्राथमिकता होखे के चाहीं:

> [33] बाकिर पहिले परमेश्वर के राज आ ओकर धार्मिकता के खोजीं, (मत्ती 6:33)

> [31] बाकिर परमेश्वर के राज के खोजीं, आ ई सब चीज रउआ के दे दिहल जाई। [32] हे छोट झुंड, मत डेराईं, काहेकि रउआ के पिता के ई नीमन लागल बा कि ऊ रउआ के राज देसु। (लूका 12:31-32)

मसीही लोग के पहिले परमेश्वर के राज के खोजे के चाहीं। ऊ लोग ई काम एह तरे करेला कि एकरा के आपन सबसे बड़ प्राथमिकता बनावेला, ओइसन जीवन जियेला जइसन मसीह चाहत बाड़ें, आ ओकर वापसी आ ओकर राज के बाट जोहत रहेला। फिर भी, जे लोग मसीह के माने के दावा करेला, ओह में से ज्यादातर लोग ना खाली

पहिले परमेश्वर के राज के ना खोजेला, बलुक ऊ लोग ई भी नइखे जानत कि ऊ ह का। बहुत लोग गलती से ई भी मानेला कि दुनियावी राजनीति में शामिल होखल ऊ बा जवन परमेश्वर मसीही लोग से चाहेलें। परमेश्वर के राज के ना समझे के चलते ऊ लोग ना

त अब ओइसन जीवन जियेला जइसन जियल चाहीं, आ ना ई समझेला कि मनुष्य जाति एतना दोषपूर्ण काहे बा।

ई भी ध्यान दीं कि राज एगो छोट झुंड के दिहल जाई (तुलना करीं रोमियों 11:5)। सच्चा छोट झुंड के हिस्सा बने खातिर तइयार होखे में नम्रता चाहीं।

परमेश्वर के राज अबले धरती पर स्थापित नइखे भइल

यीशु सिखवले कि ओकर अनुयायी लोग के प्रार्थना करे के चाहीं कि राज आवे, एहसे साफ बा कि ऊ लोग लगे ऊ पहिले से नइखे:

> 9 हे हमनी के स्वर्गीय पिता, रउआ के नाम पवित्र मानल जाव। 10 रउआ के राज आवे। रउआ के इच्छा पूरा होखे (मत्ती 6:9-10)

यीशु आपन चेला लोग के परमेश्वर के राज के प्रचार करे खातिर भेजले:

> 1 तब ऊ आपन बारह चेला के एक साथ बोलवले आ ओह लोग के सब दुष्टात्मा पर सामर्थ आ अधिकार देले, आ बेमारी के ठीक करे के शक्ति भी। 2 ऊ ओह लोग के परमेश्वर के राज के प्रचार करे खातिर भेजले। (लूका 9:1-2)

यीशु सिखवले कि खाली ओकर मौजूदगी राज ना रहे, काहेकि तब राज धरती पर स्थापित ना भइल रहे — एहीसे ऊ तब आपन नाम से दुष्टात्मा ना निकालत रहलें:

> 28 बाकिर अगर हम परमेश्वर के आत्मा से दुष्टात्मा निकालत बानी, त निश्चय परमेश्वर के राज रउआ लोग पर आ गइल बा। (मत्ती 12:28)

सच्चा राज भविष्य में बा — अभी ना, जइसन मरकुस देखावेला:

> 47 आ अगर रउआ के आँख रउआ के पाप में गिरावे, त ओकरा के निकाल दीं। रउआ खातिर ई नीमन बा कि रउआ एक आँख से परमेश्वर के राज में जाईं, बजाय एकरा कि दुनु आँख रहते रउआ फेंकल जाईं ... (मरकुस 9:47)

23 यीशु चारो ओर देखले आ आपन चेला लोग से कहले, “जे लोग लगे धन
बा, ओह लोग के परमेश्वर के राज में जाईल केतना कठिन बा!” 24 आ चेला
लोग ओकर बात से चकित हो गइल। बाकिर यीशु फेरु से ओह लोग से
कहले, “हे बच्चा लोग, जे धन पर भरोसा करेला, ओह लोग के परमेश्वर के
राज में जाईल केतना कठिन बा! 25 धनी आदमी के परमेश्वर के राज में जाए
से आसान बा कि ऊँट सुई के नाका से निकल जाव।” (मरकुस 10:23-25)

25 हम रउआ लोग से सच कहत बानी, हम अंगूर के रस फेरु ना पीयेब जब
ले ऊ दिन ना आ जाव जब हम ओकरा के परमेश्वर के राज में नया रूप से
पीयेब।” (मरकुस 14:25)

43 अरिमतिया के यूसुफ, जे महासभा के एगो प्रतिष्ठित सदस्य रहलें आ खुद
परमेश्वर के राज के बाट जोहत रहलें, हिम्मत करके अइलें ... (मरकुस
15:43)

यीशु सिखवले कि राज अभी एह वर्तमान दुनिया के हिस्सा नइखे:

36 यीशु जवाब देले, “हमार राज एह दुनिया के नइखे। अगर हमार राज एह
दुनिया के होखित, त हमार सेवक लड़ितें, ताकि हम यहूदी लोग के हाथ में
ना सौंपल जाईं; बाकिर अब हमार राज एहिजा के नइखे।” (यूहन्ना 18:36)

यीशु सिखवले कि राज तब आई जब ऊ ओकर राजा के रूप में लवट के आईहें:

31 “जब मनुष्य के पुत्र आपन महिमा में आई, आ ओकरा साथे सब पवित्र
स्वर्गदूत, तब ऊ आपन महिमा के सिंहासन पर बइठी। 32 सब जाति ओकरा
सामने जुटाइल जाई, आ ऊ ओह लोग के एक दोसरा से अलग करी, जइसे
गड़ेरिया आपन भेड़ के बकरी से अलग करेला। 33 आ ऊ भेड़ के आपन
दाहिना ओर, बाकिर बकरी के बाईं ओर खड़ा करी। 34 तब राजा दाहिना
ओर वाला लोग से कही, ‘आईं, हमार पिता के आशीष पावल लोग, ओह राज
के अधिकारी बनीं जवन जगत के नींव पड़े से पहिले से रउआ लोग खातिर
तइयार कइल बा। (मत्ती 25:31-34)

काहेकि परमेश्वर के राज अबले एहिजा नइखे, हमनी के कवनो सच्चा आदर्श लोक
तब ले ना देखेब जब ले ऊ स्थापित ना हो जाव। काहेकि ज्यादातर लोग परमेश्वर के
राज के नइखे समझत, एहसे ऊ लोग ई भी नइखे समझ पावत कि ओकर प्रेममय
शासन कइसे चलेला।

परमेश्वर के राज तब ले ना आई “जब ले अन्यजाति लोग के पूरा गिनती भीतर ना आ जाव” (रोमियों 11:25) — आ ऊ अबले ना भइल बा।

यीशु राज के केकरा जइसन बतवले?

यीशु कुछ उदाहरण देले कि परमेश्वर के राज केकरा जइसन बा:

> 26 आ ऊ कहले, “परमेश्वर के राज ओइसन बा जइसे कवनो आदमी जमीन
> पर बीया छींटे, 27 आ रात के सूते आ दिन के उठे, आ बीया अंकुरित होके
> बढ़े, बाकिर ऊ खुद ना जाने कि कइसे। 28 काहेकि धरती अपने से फसल
> उपजावेले: पहिले अंकुर, तब बाल, आ ओकरा बाद बाल में पूरा दाना। 29
> बाकिर जब दाना पाक जाला, त ऊ तुरंत हँसुआ लगावेला, काहेकि कटनी
> के समय आ गइल बा।” (मरकुस 4:26-29)

> 18 तब ऊ कहले, “परमेश्वर के राज केकरा जइसन बा? आ हम ओकर तुलना
> कवना से करीं? 19 ऊ राई के एगो दाना जइसन बा, जेकरा के एगो आदमी
> लेके आपन बगीचा में डाल देले; आ ऊ बढ़ के एगो बड़ पेड़ हो गइल, आ
> आकाश के चिरई ओकर डाढ़ पर घोंसला बनवली सन।” 20 आ ऊ फेरु
> कहले, “हम परमेश्वर के राज के केकरा से तुलना करीं? 21 ऊ खमीर जइसन
> बा, जेकरा के एगो मेहरारू लेके तीन पसेरी आटा में मिला देली जब ले ऊ
> पूरा खमीर ना हो गइल।” (लूका 13:18-21)

ई दृष्टान्त बतावेला कि शुरू में परमेश्वर के राज बहुत छोट बा, बाकिर ऊ बड़ हो जाई — आखिरकार ऊ एगो अनंत ब्रह्मांड पर होई।

लूका ई भी लिखले बा:

> 29 लोग पूरब आ पच्छिम से, उत्तर आ दक्खिन से आई आ परमेश्वर के राज
> में बइठी। (लूका 13:29)

एह तरे, परमेश्वर के राज में पूरा दुनिया के लोग होई। ई खाली ओह लोग ले सीमित ना रही जे इस्राएली वंश के ह या कवनो खास जातीय समूह के ह। हर जगह के लोग एह राज में बइठी।

लूका 17 आ राज

लूका 17:20-21 कुछ लोग के उलझन में डाल देला। बाकिर ओकरा पर आवे से पहिले, ध्यान दीं कि लोग सचमुच परमेश्वर के राज में खाई:

> 15 “धन्य बा ऊ, जे परमेश्वर के राज में रोटी खाई!” (लूका 14:15)

काहेकि लोग (भविष्य में) परमेश्वर के राज में खाई, एहसे ई खाली कवनो चीज नइखे जवन अभी ओह लोग के मन में रखल बा, चाहे लूका 17:21 के गलत अनुवाद/गलत समझ कुछ आउरी सुझावे।

लूका 17:20-21 के AFV अनुवाद कुछ लोग के समझे में मदद कर सकेला:

> 20 जब फरीसी लोग ओकरा से पूछल कि परमेश्वर के राज कब आई, त ऊ ओह लोग के जवाब देले आ कहले, “परमेश्वर के राज देखाई देवे वाला तरीका से ना आई; 21 आ ना लोग कही, ‘देखीं, ई एहिजा बा!’ या ‘देखीं, ऊ ओहिजा बा!’ काहेकि देखीं, परमेश्वर के राज रउआ लोग के बीच में खड़ा बा।” (लूका 17:20-21, AFV; NASB आ ESV अनुवाद भी देखीं)

ध्यान दीं कि यीशु ओह फरीसी लोग से बात करत रहलें जे अपरिवर्तित, शारीरिक आ पाखंडी रहे। यीशु “ओह लोग के जवाब देले” — सवाल फरीसी लोग ही यीशु से पूछले रहे। ऊ लोग ओकरा के पहिचाने से इनकार कर देले।

का ऊ लोग कलीसिया में रहे? ना!

यीशु ओह कलीसिया के बारे में भी ना बतियावत रहलें जवन जल्दिये बने वाला रहे। आ ना ऊ मन या दिल के कवनो भावना के बारे में बतियावत रहलें।

यीशु आपन शासन के बारे में बतियावत रहलें! फरीसी लोग ओकरा से कवनो कलीसिया के बारे में ना पूछत रहे। ऊ लोग के जल्दिये शुरू होखे वाला कवनो नया नियम के कलीसिया के कवनो जानकारी ना रहे। ऊ लोग कवनो सुंदर भावना के बारे में ना पूछत रहे।

अगर केहू सोचेला कि परमेश्वर के राज कलीसिया ह — आ परमेश्वर के राज फरीसी लोग के “भीतर” रहे — त का कलीसिया फरीसी लोग के भीतर रहे? साफ बा कि ना!

ई निष्कर्ष त बहुते हास्यास्पद बा, नू? हालाँकि कुछ प्रोटेस्टेंट अनुवाद लूका 17:21 के एगो हिस्सा के ई अनुवाद करेला कि परमेश्वर के राज “रउआ लोग के भीतर बा”

(NKJV/KJV), बाकिर रोमन कैथोलिक न्यू जेरूसलम बाइबिल भी ओकर सही अनुवाद करेले कि "परमेश्वर के राज रउआ लोग के बीच बा।"

यीशु ही ऊ रहलें जे फरीसी लोग के बीच में, ओह लोग के माझ में रहलें — ऊ ओह राज के राजा बने वाला रहलें। अब, फरीसी लोग सोचत रहे कि ऊ लोग परमेश्वर के राज के बाट जोहत बा। बाकिर ऊ लोग ओकरा के गलत समझले रहे। यीशु समझवले कि ई कवनो स्थानीय या खाली यहूदी लोग खातिर सीमित राज ना होई, जइसन ऊ लोग सोचत लागत रहे (आ ना कवनो कलीसिया, जइसन आज कुछ लोग मानेला)। परमेश्वर के राज खाली ओह ढेर सारा मानवीय आ देखाई देवे वाला राज में से एगो ना होई, जेकरा के लोग उँगली उठा के देखा सके आ कह सके, "ई रहल, एहिजा" या "ऊ रहल राज, ओहिजा।"

यीशु खुद ओह राज के राजा बने खातिर जनमल रहलें, जइसन ऊ पिलातुस से साफ-साफ कहले रहलें (यूहन्ना 18:36-37)। ई समझीं कि बाइबिल अक्सर "राजा" आ "राज" शब्द के एक दोसरा के जगह इस्तेमाल करेले (जइसे दानिय्येल 7:17-18,23)। भविष्य के परमेश्वर के राज के राजा ओह घरी, ओहिजे, फरीसी लोग के बगल में खड़ा रहलें। बाकिर ऊ लोग ओकरा के आपन राजा ना मानल (यूहन्ना 19:21)। जब ऊ लवटीहें, त दुनिया ओकरा के ठुकरा दी (प्रकाशितवाक्य 19:19)।

यीशु लूका 17 के आगे के आयत में आपन दुसरका आगमन के बारे में बतवले, जब परमेश्वर के राज पूरा धरती पर शासन करी (मॉफेट अनुवाद के इस्तेमाल करत):

> 22 ऊ आपन चेला लोग से कहले, "ओइसन दिन आई जब रउआ लोग तरसब
> कि मनुष्य के पुत्र के एक्को दिन देख लीं, बाकिर ना देख पाएब। 23 लोग कही,
> 'देखीं, ऊ एहिजा बा!' 'देखीं, ऊ ओहिजा बा!' बाकिर मत जाईं आ ना ओह
> लोग के पाछे भागीं, 24 काहेकि जइसे बिजली आकाश के एक छोर से दोसरा
> छोर ले चमकेले, ओइसहीं मनुष्य के पुत्र आपन दिन में होई। 25 बाकिर पहिले
> ओकरा के बहुत दुख उठावे के बा आ एह पीढ़ी के हाथे ठुकरावल जाए के
> बा। (लूका 17:22-25, मॉफेट)

यीशु बिजली के चमके के बात कहले, ठीक वइसहीं जइसे मत्ती 24:27-31 में, जवन ओकर दुसरका आगमन के बात करेला जब ऊ पूरा दुनिया पर शासन करीहें। यीशु ई ना कहत बाड़ें कि जब ऊ लवटीहें त ओकर लोग ओकरा के ना देख पाई — ऊ लोग देखी (तुलना करीं प्रेरितों के काम 1:11)।

फिर भी, ज्यादातर लोग ओकरा के आपन राजा ना मानी (प्रकाशितवाक्य 11:15) आ ओकरा से लड़ी (प्रकाशितवाक्य 19:19)! बहुत लोग सोची कि यीशु मसीह-विरोधी के प्रतिनिधित्व करत बाड़ें। यीशु ई ना कहत रहलें कि परमेश्वर के राज ओह फरीसी लोग के भीतर बा — ऊ अउरी जगह ओह लोग से कहले रहलें कि ओह लोग के पाखंड के चलते ऊ लोग राज में ना रही (मत्ती 23:13-14)। आ ना यीशु ई कहत रहलें कि कलीसिया ही राज होई।

परमेश्वर के राज ओइसन चीज ह जेह में मनुष्य एक दिन प्रवेश कर पाई — जइसे धर्मी लोग के पुनरुत्थान के समय! फिर भी, अब्राहम आ दोसर कुलपिता लोग भी अबले ओहिजा नइखे (तुलना करीं इब्रानियों 11:13-40)।

चेला लोग जानत रहे कि परमेश्वर के राज तब ओह लोग के भीतर व्यक्तिगत रूप से ना रहे, आ ओकरा के प्रकट होखे के बा, जइसन नीचे के आयत देखावेला, जवन लूका 17:21 के बाद आवेला:

> 11 जब ऊ लोग ई बात सुनत रहे, त ऊ एगो आउर दृष्टान्त कहले, काहेकि ऊ यरूशलेम के लगे रहलें आ काहेकि ऊ लोग सोचत रहे कि परमेश्वर के राज तुरंत प्रकट हो जाई। (लूका 19:11)

राज साफ तौर पर भविष्य में रहे

रउआ कइसे जान सकेनी कि राज नगीचे बा? एह सवाल के जवाब में यीशु भविष्यवाणी से जुड़ल घटना के सूची देले (लूका 21:8-28) आ तब सिखवले:

> 29 अंजीर के पेड़ के, आ सब पेड़ के देखीं। 30 जब ओह में कोंपल फूटे लागेला, त रउआ खुद देख के जान लेनी कि गर्मी अब नगीचे बा। 31 ओइसहीं रउआ लोग भी, **जब ई सब होत देखीं, त जान लीं कि परमेश्वर के राज नगीचे बा।** (लूका 21:29-31)

यीशु चाहत रहलें कि ओकर लोग भविष्यवाणी से जुड़ल घटना पर नजर रखे ताकि जान सके कि राज कब आई। यीशु अउरी जगह आपन लोग से कहले कि जागत रहीं आ भविष्यवाणी से जुड़ल घटना पर ध्यान दीं (लूका 21:36; मरकुस 13:33-37)। यीशु के बात के बावजूद, बहुत लोग भविष्यवाणी से जुड़ल विश्व घटना पर नजर राखे के हल्का में लेला।

लूका 22 आ 23 में यीशु फेरु देखवले कि परमेश्वर के राज ओइसन चीज ह जवन भविष्य में पूरा होई, जब ऊ सिखवले:

> 15 “हमरा बहुत इच्छा रहे कि दुख उठावे से पहिले हम रउआ लोग के साथे
> ई फसह के भोजन खाईं; 16 काहेकि हम रउआ लोग से कहत बानी, हम
> एकरा के फेरु ना खाएब जब ले ई परमेश्वर के राज में पूरा ना हो जाव।” 17
> तब ऊ कटोरा लेके धन्यवाद देले आ कहले, “एकरा के लीं आ आपस में बाँट
> लीं; 18 काहेकि हम रउआ लोग से कहत बानी, हम अंगूर के रस ना पीयेब
> जब ले परमेश्वर के राज ना आ जाव।” (लूका 22:15-18)

> 39 बाकिर जे कुकर्मी ओकरा साथे क्रूस पर चढ़ावल गइल रहे, ओह में से एगो
> ओकर निंदा करत कहले, “अगर तूँ मसीह हउ, त अपना के बचा आ हमनी
> के भी बचा।” 40 आ ओकर साथी ओकरा के डाँटत कहले, “का तूँ परमेश्वर
> से भी नइखऽ डेरात? काहेकि तूँ भी ओकरे साथे दंड में बाड़ऽ। 41 आ हमनी
> के त ठीके, काहेकि हमनी के एकर लायक बानी, हमनी के आपन करनी के
> फल पावत बानी, बाकिर एह आदमी कवनो बुराई नइखे कइले।” 42 आ ऊ
> यीशु से कहले, “हे हमार प्रभु, जब रउआ आपन राज में आईं त हमरा के
> याद राखीं।” 43 बाकिर यीशु ओकरा से कहले, “आमीन, हम तोहरा से कहत
> बानी कि आज तूँ हमरा साथे स्वर्गलोक में रहबऽ।” (लूका 23:39-43, अरामी
> इन प्लेन इंग्लिश)

यीशु के मारल जाते ही परमेश्वर के राज ना आ गइल, जइसन मरकुस आ लूका दुनु हमनी के देखावेला:

> 43 अरिमतिया के यूसुफ, जे महासभा के एगो प्रतिष्ठित सदस्य रहलें आ खुद
> परमेश्वर के राज के बाट जोहत रहलें, हिम्मत करके अइलें ... (मरकुस
> 15:43)

> 51 ऊ यहूदी लोग के एगो नगर अरिमतिया के रहलें, आ ऊ खुद भी परमेश्वर
> के राज के बाट जोहत रहलें। (लूका 23:51)

पुनरुत्थान के बाद ही (1 कुरिन्थियों 15:50-55) मसीही लोग नया जनम पाके परमेश्वर के राज में प्रवेश करी, जइसन यूहन्ना लिखले बा:

> 3 यीशु ओकरा के जवाब देले, “हम तोहरा से बिल्कुल सच कहत बानी, जब
> ले केहू नया जनम ना ले, ऊ परमेश्वर के राज ना देख सके।” 4 नीकुदेमुस

> ओकरा से कहले, “आदमी बूढ़ होखला पर कइसे जनम ले सकेला? का ऊ दुसरका बेर आपन माई के कोख में जाके जनम ले सकेला?” [5] यीशु जवाब देले, “हम तोहरा से बिल्कुल सच कहत बानी, जब ले केहू पानी आ आत्मा से ना जनमे, ऊ परमेश्वर के राज में प्रवेश ना कर सके। (यूहन्ना 3:3-5)

खाली परमेश्वर के लोग ही हजार साल के बाद वाला अंतिम परमेश्वर के राज के देखी।

अब ई भी समझीं कि यीशु के पुनरुत्थान के बाद ऊ फेरु परमेश्वर के राज के बारे में सिखवले:

> [3] ऊ आपन दुख उठावे के बाद बहुत पक्का प्रमाण से खुद के जिंदा देखवले, आ चालीस दिन ले ओह लोग के देखाई देत रहलें आ परमेश्वर के राज से जुड़ल बात करत रहलें। (प्रेरितों के काम 1:3)

यीशु के पहिला आ आखिरी उपदेश परमेश्वर के राज के बारे में रहे! यीशु ओह राज के बारे में सिखावे वाला संदेशवाहक के रूप में अइले।

यीशु प्रेरित यूहन्ना से भी ओह हजार साल के परमेश्वर के राज के बारे में लिखववले जवन धरती पर होई। ध्यान दीं कि ऊ यूहन्ना से का लिखववले:

> [4] हम ओह लोग के आत्मा देखनी जेकर सिर यीशु के गवाही आ परमेश्वर के वचन के चलते काट दिहल गइल रहे, जे ना ओह पशु के आ ना ओकर मूरत के पूजा कइले रहे, आ ना ओकर छाप आपन माथा या हाथ पर लेले रहे। आ ऊ लोग जिंदा भइल आ मसीह के साथे हजार साल ले राज कइल। (प्रकाशितवाक्य 20:4)

शुरुआती मसीही लोग सिखावत रहे कि हजार साल के परमेश्वर के राज धरती पर होई आ ऊ दुनिया के सरकार सभ के जगह ले ली, जइसन बाइबिल सिखावेला (तुलना करीं प्रकाशितवाक्य 5:10, 11:15)।

अगर परमेश्वर के राज एतना महत्वपूर्ण बा, त ज्यादातर लोग एकरा बारे में ज्यादा काहे नइखे सुनले?

एकर एगो कारण ई बा कि यीशु एकरा के एगो भेद कहले रहलें:

> 11 आ ऊ ओह लोग से कहले, “रउआ लोग के परमेश्वर के राज के भेद जाने के दिहल गइल बा; बाकिर जे बाहर बा, ओह लोग खातिर सब कुछ दृष्टान्त में आवेला। (मरकुस 4:11)

आज भी सच्चा परमेश्वर के राज ज्यादातर लोग खातिर एगो भेद ह, जइसे परमेश्वर के योजना के बहुत हिस्सा भेद बा (हमनी के मुफ्त किताब भी देखीं, जवन www.ccog.org पर ऑनलाइन बा, नाम: The MYSTERY of GOD’s PLAN Why Did God Create Anything? Why did God make you?)।

ई भी विचार करीं कि यीशु कहले रहलें कि (युग के) अंत (जल्दिये) तब आई जब राज के सुसमाचार पूरा दुनिया में गवाही खातिर प्रचार कइल जाई:

> 14 आ राज के ई सुसमाचार पूरा दुनिया में सब जाति के सामने गवाही खातिर प्रचार कइल जाई, आ तब अंत आ जाई। (मत्ती 24:14)

परमेश्वर के राज के सुसमाचार के घोषणा करल महत्वपूर्ण बा आ **एह अंतिम समय में** एकरा के पूरा कइल जाए के बा। ई एगो “नीमन संदेश” ह काहेकि ई मनुष्य जाति के तकलीफ के असली आशा देला, चाहे राजनीतिक नेता लोग जवन सिखावे।

अगर रउआ यीशु के बात पर विचार करीं, त साफ हो जाए के चाहीं कि सच्चा मसीही कलीसिया के अभिये राज के ऊ सुसमाचार के घोषणा करे के चाहीं। ई कलीसिया के सबसे बड़ प्राथमिकता होखे के चाहीं। आ एकरा के ठीक से करे खातिर ढेर सारा भाषा के इस्तेमाल होखे के चाहीं। इहे बा जवन *Continuing* Church of God करे के कोशिश करत बा। आ एहीसे ई पुस्तिका दर्जनों भाषा में अनुवाद कइल गइल बा।

यीशु सिखवले कि ज्यादातर लोग ओकर रास्ता ना अपनाई:

> 13 “सँकरा फाटक से भीतर जाईं; काहेकि चाकर बा ऊ फाटक आ चौड़ा बा ऊ रास्ता जवन विनाश के ओर ले जाला, आ ओह से जाए वाला बहुत लोग बा। 14 काहेकि सँकरा बा ऊ फाटक आ कठिन बा ऊ रास्ता जवन जीवन के ओर ले जाला, आ ओकरा के पावे वाला थोड़ लोग बा। (मत्ती 7:13-14)

परमेश्वर के राज के सुसमाचार जीवन के ओर ले जाला!

ई जाने लायक बा कि हालाँकि मसीह होखे के दावा करे वाला ज्यादातर लोग एह बात से अनजान लागेला कि मसीह के जोर परमेश्वर के राज के सुसमाचार के प्रचार पर रहे, बाकिर धर्मनिरपेक्ष धर्मशास्त्री आ इतिहासकार लोग अक्सर ई समझले बा कि बाइबिल असल में इहे सिखावेले।

फिर भी, यीशु खुद चाहत रहलें कि ओकर चेला लोग परमेश्वर के राज के सुसमाचार सिखावे (लूका 9:2,60)। काहेकि भविष्य के राज परमेश्वर के व्यवस्था पर आधारित होई, एहसे ऊ शांति आ समृद्धि लेके आई — आ एह युग में ओह व्यवस्था के मानल सच्चा शांति के ओर ले जाला (भजन संहिता 119:165,172; इफिसियों 2:15)।

आ राज के ई नीमन खबर पुराना नियम के शास्त्र में भी जानल रहे।

3. का पुराना नियम में परमेश्वर के राज के जानकारी रहे?

यीशु के पहिला आ आखिरी दर्ज उपदेश में परमेश्वर के राज के सुसमाचार के घोषणा शामिल रहे (मरकुस 1:14-15; प्रेरितों के काम 1:3)।

परमेश्वर के राज ओइसन चीज ह जेकरा बारे में यीशु के जमाना के यहूदी लोग के कुछ जानकारी होखे के चाहीं रहे, काहेकि एकर जिकिर ओह लोग के शास्त्र में रहे, जेकरा के हमनी के अब पुराना नियम कहेनी।

दानिय्येल राज के बारे में सिखवले

भविष्यवक्ता दानिय्येल लिखले:

> 40 आ चउथा राज लोहा जइसन मजबूत होई, काहेकि लोहा सब कुछ तोड़-फोड़ के चूर कर देला; आ कुचले वाला लोहा जइसन ऊ राज बाकी सब के तोड़ी आ कुचल दी। 41 आ जइसे रउआ गोड़ आ अँगुरी के देखनी, कुछ हिस्सा कुम्हार के माटी के आ कुछ लोहा के, ओइसहीं ऊ राज बँटल होई; फिर भी ओह में लोहा के मजबूती होई, जइसे रउआ लोहा के पकावल माटी में मिलल देखनी। 42 आ जइसे गोड़ के अँगुरी कुछ लोहा के आ कुछ माटी के रहे, ओइसहीं ऊ राज कुछ मजबूत आ कुछ कमजोर होई। 43 जइसे रउआ लोहा के पकावल माटी में मिलल देखनी, ओइसहीं ऊ लोग मनुष्य के वंश से मिली; बाकिर ऊ लोग एक दोसरा से जुड़ी ना, जइसे लोहा माटी से ना मिले। 44 आ ओह राजा लोग के दिन में स्वर्ग के परमेश्वर एगो राज खड़ा करी जवन कबो नाश ना होई; आ ऊ राज दोसर लोग के हाथ में ना जाई; ऊ ई सब राज के टुकड़ा-टुकड़ा करके नाश कर दी, आ ऊ सदा खातिर बनल रही। (दानिय्येल 2:40-44)

> 18 बाकिर परमप्रधान के पवित्र लोग राज पाई, आ ओह राज के सदा खातिर, हँ, युगानुयुग खातिर अधिकार में राखी।' (दानिय्येल 7:18)

> 21 "हम देखत रहनी; आ ऊहे सींग पवित्र लोग से लड़ाई करत रहे आ ओह लोग पर भारी पड़त रहे, 22 जब ले प्राचीन काल के परमेश्वर ना अइलें, आ परमप्रधान के पवित्र लोग के पक्ष में न्याय ना भइल, आ ऊ समय ना आइल जब पवित्र लोग राज के अधिकार में लिहल। (दानिय्येल 7:21-22)

दानिय्येल से हमनी के ई जानत बानी कि ऊ समय आई जब परमेश्वर के राज एह दुनिया के राज सभ के नाश कर दी आ सदा खातिर बनल रही। हमनी के ई भी जानत बानी कि एह राज के पावे में पवित्र लोग के हिस्सा होई।

दानिय्येल के भविष्यवाणी के बहुत हिस्सा 21वाँ सदी के हमनी के समय खातिर बा।

नया नियम के कुछ अंश पर ध्यान दीं:

> 12 "जे दस सींग रउआ देखनी, ऊ दस राजा ह जेकरा के अबले राज ना मिलल बा, बाकिर ऊ लोग पशु के साथे एक घंटा खातिर राजा के अधिकार पाई। 13 ई लोग एक मन के बा, आ ऊ लोग आपन सामर्थ आ अधिकार पशु के दे दी। 14 ई लोग मेमना से लड़ाई करी, आ मेमना ओह लोग पर जीत पाई, काहेकि ऊ प्रभु लोग के प्रभु आ राजा लोग के राजा ह; आ जे ओकरा साथे बा, ऊ लोग बोलावल, चुनल आ विश्वासयोग्य ह।" (प्रकाशितवाक्य 17:12-14)

एह तरे, हमनी के पुराना आ नया दुनु नियम में ई बात देखत बानी कि अंतिम समय में दस हिस्सा वाला एगो सांसारिक राज होई आ परमेश्वर ओकरा के नाश कर दीहें आ आपन राज स्थापित करीहें।

यशायाह राज के बारे में सिखवले

परमेश्वर यशायाह के प्रेरित कइले कि ऊ परमेश्वर के राज के पहिला हिस्सा, यानी हजार साल के शासन, जेकरा के सहस्राब्दी कहल जाला, ओकरा बारे में एह तरे लिखे:

> 1 यिशै के ठूँठ से एगो डाढ़ी निकली, आ ओकर जड़ से एगो शाखा उगी। 2 प्रभु के आत्मा ओकरा पर ठहरी, बुद्धि आ समझ के आत्मा, सलाह आ सामर्थ के आत्मा, ज्ञान आ प्रभु के भय के आत्मा।
>
> 3 ओकर आनंद प्रभु के भय में बा, आ ऊ आपन आँख के देखला से न्याय ना करी, आ ना आपन कान के सुनला से फैसला करी; 4 बाकिर ऊ धार्मिकता से गरीब के न्याय करी, आ धरती के नम्र लोग खातिर
>
> निष्पक्षता से फैसला करी; ऊ आपन मुँह के छड़ी से धरती के मारी, आ आपन ओठ के साँस से दुष्ट के मार डाली। 5 धार्मिकता ओकर कमर के पेटी होई, आ विश्वासयोग्यता ओकर कमरबंद।

6 “भेड़िया मेमना के साथे रही, चीता बकरी के बच्चा के साथे लेटी, आ बछड़ा,
जवान सिंह आ मोटावल पशु एक साथे रही; आ एगो छोट बच्चा ओह लोग
के अगुवाई करी। 7 गाय आ भालू चरी; ओह लोग के बच्चा एक साथे लेटी;
आ सिंह बैल जइसन भूसा खाई। 8 दूध पियत बच्चा साँप के बिल के लगे
खेली, आ दूध छोड़ल बच्चा नाग के गुफा में आपन हाथ डाली। 9 ऊ लोग
हमार पूरा पवित्र पहाड़ पर ना त हानि करी आ ना नाश करी, काहेकि जइसे
समुंदर पानी से भरल बा, ओइसहीं धरती प्रभु के ज्ञान से भर जाई।

10 “आ ओह दिन यिशै के एगो जड़ होई, जे लोग खातिर झंडा जइसन खड़ा
होई; काहेकि अन्यजाति लोग ओकरा के खोजी, आ ओकर विश्राम के जगह
महिमामय होई।” (यशायाह 11:1-10)

हम एकरा के परमेश्वर के राज के पहिला हिस्सा या पहिला चरण एहसे कहनी काहेकि ई ऊ समय ह जब ऊ भौतिक रही (ओह समय से पहिले जब पवित्र नगर, नया यरूशलेम स्वर्ग से उतरी, प्रकाशितवाक्य 21) आ ई हजार साल ले चली। यशायाह एह चरण के भौतिक पक्ष के पक्का कइले जब ऊ आगे लिखले:

11 ओह दिन अइसन होई कि प्रभु दुसरका बेर फेरु आपन हाथ बढ़ाई ताकि
आपन बचल-खुचल लोग के अश्शूर आ मिस्र से, पत्रोस आ कूश से, एलाम
आ शिनार से, हमात आ समुंदर के दीप से वापस ले आवसु।

12 ऊ जाति सभ खातिर एगो झंडा खड़ा करी, आ इस्राएल के निकालल गइल
लोग के जुटाई, आ यहूदा के बिखरल लोग के धरती के चारो कोना से एक
साथ करी। 13 आ एप्रैम के जलन खतम हो जाई, आ यहूदा के बैरी काट
दिहल जाई; एप्रैम यहूदा से ना जली, आ यहूदा एप्रैम के तंग ना करी। 14
बाकिर ऊ लोग पच्छिम के ओर पलिश्ती लोग के कंधा पर झपट्टा मारी; एक
साथे ऊ लोग पूरब के लोग के लूटी; ऊ लोग एदोम आ मोआब पर हाथ डाली;
आ अम्मोन के लोग ओह लोग के मानी। 15 प्रभु मिस्र के समुंदर के जीभ के
पूरा तरे सुखा दीहें; आपन प्रचंड हवा से ऊ ओह नदी पर आपन मुट्ठी
हिलाईहें, आ ओकरा के सात धारा में मारीहें, आ लोग के जूता पहिने सूखा
पार करा दीहें। 16 ओकर बचल-खुचल लोग खातिर, जे अश्शूर से बच जाई,
एगो राजमार्ग होई, जइसन इस्राएल खातिर ओह दिन रहे जब ऊ मिस्र देश
से निकल के आइल रहे। (यशायाह 11:11-16)

यशायाह ई भी लिखे खातिर प्रेरित भइले:

> [2] अंतिम दिन में अइसन होई कि प्रभु के भवन के पहाड़ पहाड़ सभ के चोटी
> पर स्थापित कइल जाई, आ ऊ पहाड़ी सभ से ऊँच कइल जाई; आ सब जाति
> ओकरा ओर बहत चल आई। [3] बहुत लोग आई आ कही, "आईं, हमनी के
> प्रभु के पहाड़ पर, याकूब के परमेश्वर के भवन में चलीं; ऊ हमनी के आपन
> रास्ता सिखाईहें, आ हमनी के ओकर पथ पर चलब।" **काहेकि सिय्योन से**
> **व्यवस्था निकली**, आ यरूशलेम से प्रभु के वचन। [4] ऊ जाति सभ के बीच
> न्याय करीहें, आ बहुत लोग के डाँटीहें; ऊ लोग आपन तलवार पीट के हर
> के फार बना ली, आ आपन भाला के हँसुआ; **एगो जाति दोसरा जाति पर**
> **तलवार ना उठाई, आ ना ऊ लोग फेरु से युद्ध सीखी।** ... [11] आदमी के
> घमंडी नजर नीचा कइल जाई, मनुष्य के अहंकार झुका दिहल जाई, आ ओह
> दिन खाली प्रभु ही ऊँच कइल जाईहें। (यशायाह 2:2-4,11)

एह तरे, ई धरती पर शांति के एगो आदर्श समय होई। आखिरकार ई सदा खातिर रही, आ यीशु शासन करीहें। कई शास्त्र के आधार पर (भजन संहिता 90:4; 92:1; यशायाह 2:11; होशे 6:2), यहूदी तालमुद सिखावेला कि ई 1,000 साल ले चलेला (बेबीलोनी तालमुद: ट्रैक्टेट सैनहेड्रिन फोलियो 97a)।

यशायाह ई भी लिखे खातिर प्रेरित भइले:

> [6] काहेकि हमनी खातिर एगो बालक जनमल बा, हमनी के एगो पुत्र दिहल
> गइल बा; आ शासन ओकर कंधा पर होई। आ ओकर नाम अद्भुत,
> सलाहकार, सामर्थी परमेश्वर, अनंतकाल के पिता, शांति के राजकुमार
> कहल जाई। [7] ओकर शासन आ शांति के बढ़ती के कवनो अंत ना होई,
> दाऊद के सिंहासन पर आ ओकर राज पर, ताकि ऊ ओकरा के न्याय आ
> धार्मिकता से व्यवस्थित करे आ स्थापित करे, ओह समय से लेके सदा
> खातिर। सेनाओं के प्रभु के धुन ई कर देई। (यशायाह 9:6-7)

ध्यान दीं कि यशायाह कहले कि यीशु आईहें आ एगो शासन वाला राज स्थापित करीहें। हालाँकि मसीह के माने के दावा करे वाला बहुत लोग एह अंश के उद्धृत करेला, खासकर हर साल दिसंबर में, बाकिर ऊ लोग अक्सर ई भूल जाला कि ई खाली यीशु के जनम के भविष्यवाणी नइखे। बाइबिल देखावेला कि परमेश्वर के राज में एगो शासन बा जेकर प्रजा पर व्यवस्था लागू बा, आ यीशु ओकर राजा होईहें। यशायाह, दानिय्येल आ दोसर लोग एकर भविष्यवाणी कइले।

परमेश्वर के व्यवस्था प्रेम के रास्ता ह (मत्ती 22:37-40; यूहन्ना 15:10) आ परमेश्वर के राज ओह व्यवस्था के आधार पर चली। एहसे परमेश्वर के राज, चाहे दुनिया के बहुत लोग एकरा के जइसे देखे, प्रेम पर आधारित होई।

भजन संहिता आ अउरी

खाली दानिय्येल आ यशायाह ना रहलें जेकरा के परमेश्वर आवे वाला परमेश्वर के राज के बारे में लिखे खातिर प्रेरित कइले।

यहेजकेल ई लिखे खातिर प्रेरित भइले कि इस्राएल के सब गोत्र के ऊ लोग (खाली यहूदी ना) जे महाक्लेश के समय बिखर गइल रहे, ऊ लोग हजार साल के राज में एक साथ जुटावल जाई:

> 17 एहसे कहऽ, 'प्रभु परमेश्वर ई कहत बाड़ें: "हम रउआ लोग के जाति सभ
> में से जुटाएब, ओह देश सभ से इकट्ठा करब जहाँ रउआ लोग बिखरल बानी,
> आ हम रउआ लोग के इस्राएल के देश देब।"' 18 आ ऊ लोग ओहिजा जाई,
> आ ओहिजा से ओकर सब घिनौना चीज आ सब घृणित काम हटा दी। 19 तब
> हम ओह लोग के एक मन देब, आ ओह लोग के भीतर एगो नया आत्मा
> डालब, आ ओह लोग के देह से पथरीला मन निकाल के मांस के मन देब, 20
> ताकि ऊ लोग हमार विधि पर चले आ हमार नियम के मान के ओकरा पर
> अमल करे; आ ऊ लोग हमार प्रजा होई, आ हम ओह लोग के परमेश्वर
> होखब। 21 बाकिर जेकर मन आपन घिनौना चीज आ घृणित काम के लालसा
> के पाछे चलेला, ओह लोग के करनी के बदला हम ओह लोग के माथा पर
> डालब," प्रभु परमेश्वर कहत बाड़ें। (यहेजकेल 11:17-21)

इस्राएल के गोत्र के वंशज फेरु ना बिखरी, बलुक परमेश्वर के विधि के मानी आ घिनौना चीज खाइल छोड़ दी (लैव्यव्यवस्था 11; व्यवस्थाविवरण 14)।

परमेश्वर के राज के नीमन खबर के बारे में भजन संहिता में ई बात पर ध्यान दीं:

> 27 धरती के सब छोर याद करी आ प्रभु के ओर फिरी, आ जाति सभ के सब
> कुल रउआ के सामने दंडवत करी। 28 काहेकि राज प्रभु के ह, आ ऊ जाति
> सभ पर शासन करेलें। (भजन संहिता 22:27-28)

[6] हे परमेश्वर, रउआ के सिंहासन युगानुयुग बा; रउआ के राज के राजदंड धार्मिकता के राजदंड ह। (भजन संहिता 45:6)

[1] अरे, प्रभु खातिर एगो नया गीत गाईं! हे पूरा धरती, प्रभु खातिर गाईं। [2] प्रभु खातिर गाईं, ओकर नाम के धन्य कहीं; दिन-प्रतिदिन ओकर उद्धार के नीमन खबर के घोषणा करीं। [3] जाति सभ में ओकर महिमा के बखान करीं, सब लोग में ओकर अचरज के काम के। (भजन संहिता 96:1-3; तुलना करीं 1 इतिहास 16:23-24)

[10] हे प्रभु, रउआ के सब काम रउआ के स्तुति करी, आ रउआ के पवित्र लोग रउआ के धन्य कही। [11] ऊ लोग रउआ के राज के महिमा के चरचा करी, आ रउआ के सामर्थ के बारे में बतियाई, [12] ताकि मनुष्य के संतान के ओकर सामर्थी काम आ ओकर राज के महिमामय वैभव के जानकारी होखे। [13] रउआ के राज एगो अनंत राज ह, आ रउआ के प्रभुता पीढ़ी-पीढ़ी बनल रहेला। (भजन संहिता 145:10-13)

पुराना नियम के तरह-तरह के लेखक लोग भी राज के पहलू पर लिखले बा (जइसे यहेजकेल 20:33; ओबद्याह 21; मीका 4:7)।

एहसे, जब यीशु परमेश्वर के राज के सुसमाचार सिखावे लगले, त ओकर सामने के श्रोता लोग एह बुनियादी विचार से कुछ हद ले परिचित रहे।

4. का प्रेरित लोग राज के सुसमाचार सिखवले?

हालाँकि बहुत लोग अइसन बरताव करेला जइसे सुसमाचार खाली यीशु के व्यक्ति के बारे में नीमन खबर ह, बाकिर सच्चाई ई बा कि यीशु के अनुयायी लोग परमेश्वर के राज के सुसमाचार सिखवले। इहे ऊ संदेश ह जेकरा के यीशु लेके अइले।

प्रेरित पौलुस परमेश्वर के राज आ यीशु के बारे में सिखवले:

> [8] आ ऊ आराधनालय में जाके तीन महीना ले हिम्मत से बोलले, आ परमेश्वर के राज से जुड़ल बात पर तर्क करत आ लोग के समझावत रहले। (प्रेरितों के काम 19:8)
>
> [25] आ सचमुच, अब हम जानत बानी कि रउआ सब लोग, जेकरा बीच हम परमेश्वर के राज के प्रचार करत घूमनी। (प्रेरितों के काम 20:25)
>
> [23] एहसे जब ऊ लोग ओकरा खातिर एगो दिन तय कइल, त बहुत लोग ओकरा डेरा पर आइल, आ ऊ ओह लोग के परमेश्वर के राज के बारे में समझवले आ गंभीरता से गवाही देले, आ मूसा के व्यवस्था आ भविष्यवक्ता लोग के लेख से यीशु के बारे में ओह लोग के भोरे से साँझ ले समझवले। ... [31] ऊ पूरा हिम्मत के साथे परमेश्वर के राज के प्रचार करत आ प्रभु यीशु मसीह से जुड़ल बात सिखावत रहलें, आ केहू ओकरा के मना ना कइल। (प्रेरितों के काम 28:23,31)

ध्यान दीं कि परमेश्वर के राज खाली यीशु के बारे में नइखे (हालाँकि ऊ एकर एगो बड़ हिस्सा बाड़ें), काहेकि पौलुस यीशु के बारे में ओह से अलग सिखवले जवन ऊ परमेश्वर के राज के बारे में सिखवले।

पौलुस एकरा के परमेश्वर के सुसमाचार भी कहले, बाकिर ऊ फिर भी परमेश्वर के राज के सुसमाचार ही रहे:

> [9] ... हमनी के रउआ लोग के परमेश्वर के सुसमाचार सुनवनी ... [12] ताकि रउआ लोग ओह परमेश्वर के योग्य चाल चलीं जे रउआ लोग के आपन राज आ महिमा में बोलावत बाड़ें। (1 थिस्सलुनीकियों 2:9,12)

पौलुस एकरा के मसीह के सुसमाचार भी कहले (रोमियों 1:16)। यीशु के "नीमन संदेश," ऊ संदेश जवन ऊ सिखवले।

ई विचार करीं कि ई खाली यीशु मसीह के व्यक्ति के बारे में या खाली व्यक्तिगत उद्धार के बारे में सुसमाचार ना रहे। पौलुस कहले कि मसीह के सुसमाचार में यीशु के आज्ञा मानल, ओकर वापसी आ परमेश्वर के न्याय शामिल बा:

> 6 ... परमेश्वर ओह लोग के क्लेश के बदला क्लेश दीहें जे रउआ लोग के दुख देत बा, 7 आ रउआ लोग के, जे दुख उठावत बा, हमनी के साथे विश्राम दीहें, जब प्रभु यीशु आपन सामर्थी स्वर्गदूत लोग के साथे स्वर्ग से प्रकट होईहें, 8 आ धधकत आग में ओह लोग से बदला लीहें जे परमेश्वर के नइखे जानत, आ ओह लोग से जे हमनी के प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार के आज्ञा नइखे मानत। 9 ई लोग प्रभु के उपस्थिति आ ओकर सामर्थ के महिमा से अलग होके अनंत विनाश के दंड पाई, 10 जब ऊ ओह दिन आईहें ताकि आपन पवित्र लोग में महिमा पावसु आ सब विश्वास करे वाला लोग में सराहल जासु, काहेकि रउआ लोग के बीच हमनी के गवाही पर विश्वास कइल गइल। (2 थिस्सलुनीकियों 1:6-10)

नया नियम देखावेला कि राज ओइसन चीज ह जेकरा के हमनी के पाएब, ना कि ई कि ऊ अभिये पूरा तरे हमनी के लगे बा:

> 28 हमनी के एगो अइसन राज पावत बानी जवन हिलावल ना जा सके। (इब्रानियों 12:28)

हमनी के अभिये परमेश्वर के राज के हिस्सा बने के आशा समझ सकेनी आ ओकर बाट जोह सकेनी, बाकिर हमनी के ओह में पूरा तरे प्रवेश नइखी कइले।

पौलुस खास तौर पर एकर पुष्टि कइले कि केहू नाशवान मनुष्य के रूप में परमेश्वर के राज में पूरा तरे प्रवेश ना करेला, काहेकि ई पुनरुत्थान के बाद होला:

> 50 हे भाई लोग, हम ई कहत बानी कि मांस आ खून परमेश्वर के राज के अधिकारी ना हो सके; आ ना नाशवान अविनाशी के अधिकारी होला। 51 देखीं, हम रउआ लोग के एगो भेद बतावत बानी: हमनी के सब ना सूतब, बाकिर हमनी के सब बदल जाएब — 52 एक पल में, आँख झपके भर में, आखिरी तुरही पर। काहेकि तुरही बाजी, आ मुरदा अविनाशी होके जिंदा कइल जाई, आ हमनी के बदल जाएब (1 कुरिन्थियों 15:50-52)

> [1] एहसे हम रउआ के परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के सामने आदेश देत बानी, जे आपन प्रकट होखला आ आपन राज के समय जिंदा आ मुरदा के न्याय करीहें।
>
> (2 तीमुथियुस 4:1)

पौलुस खाली इहे ना सिखवले, बलुक ई भी सिखवले कि यीशु राज के परमेश्वर पिता के सौंप दीहें:

> [20] बाकिर अब मसीह मुरदा में से जिंदा हो गइल बाड़ें, आ जे लोग सो गइल बा ओह लोग के पहिला फल बन गइल बाड़ें। [21] काहेकि जब मनुष्य के जरिए मौत आइल, त मनुष्य के जरिए ही मुरदा के पुनरुत्थान भी आइल। [22] काहेकि जइसे आदम में सब मरेला, ओइसहीं मसीह में सब जिंदा कइल जाई। [23] बाकिर हर एक आपन-आपन बारी में: पहिला फल मसीह, ओकरा बाद ओकर आगमन के समय ऊ लोग जे मसीह के ह। [24] तब अंत आई, जब ऊ राज के परमेश्वर पिता के सौंप दीहें, जब ऊ सब शासन, सब अधिकार आ सामर्थ के खतम कर दीहें। [25] काहेकि ओकरा तब ले राज करे के बा जब ले ऊ सब बैरी के आपन गोड़ तर ना कर लेसु। (1 कुरिन्थियों 15:20-25)

पौलुस ई भी सिखवले कि अधर्मी लोग (आज्ञा तोड़े वाला) परमेश्वर के राज के अधिकारी ना होई:

> [9] का रउआ लोग नइखीं जानत कि अधर्मी लोग परमेश्वर के राज के अधिकारी ना होई? धोखा में मत रहीं। ना व्यभिचारी, ना मूरतिपूजक, ना परस्त्रीगामी, ना समलैंगिक, ना पुरुषगामी, [10] ना चोर, ना लोभी, ना पियक्कड़, ना गाली देवे वाला, ना लूटे वाला परमेश्वर के राज के अधिकारी होई। (1 कुरिन्थियों 6:9-10)
>
> [19] अब शरीर के काम त साफ बा, जवन ई ह: परस्त्रीगमन, व्यभिचार, अशुद्धता, लुचपन, [20] मूरतिपूजा, जादू-टोना, बैर, झगड़ा, जलन, क्रोध के भड़कल, स्वार्थी महत्वाकांक्षा, फूट, विधर्म, [21] डाह, हत्या, मतवालापन, लीलाक्रीड़ा आ अइसन बात; एकरा बारे में हम रउआ लोग के पहिलहीं बतावत बानी, जइसे हम पहिले भी बतवले रहनी, कि जे लोग अइसन काम करेला ऊ लोग परमेश्वर के राज के अधिकारी ना होई। (गलातियों 5:19-21)

> [5] काहेकि रउआ लोग ई जानत बानी कि कवनो व्यभिचारी, अशुद्ध आदमी, या लोभी, जे मूरतिपूजक ह, ओकर मसीह आ परमेश्वर के राज में कवनो हिस्सा नइखे। (इफिसियों 5:5)

परमेश्वर के आपन मानक बा आ ऊ चाहेलें कि आदमी पाप से मन फिरावे ताकि ओकर राज में जा सके। परमेश्वर के आज्ञा मानल पवित्र आत्मा पावे खातिर आ उद्धार पावे खातिर भी जरूरी बा:

> [29] ...पतरस आ प्रेरित लोग ... कहल, "हमनी के आदमी के बजाय परमेश्वर के आज्ञा माने के बाध्य बानी। ... [32] आ हमनी के एह बात के गवाह बानी, आ पवित्र आत्मा भी, जेकरा के परमेश्वर ओह लोग के देले बाड़ें जे ओकर आज्ञा मानेला।" (प्रेरितों के काम 5:29,32, AFV)

> [5] मसीह ... [8] हालाँकि ऊ पुत्र रहलें, फिर भी ऊ दुख उठा के आज्ञा मानल सीखले। [9] आ सिद्ध होके ऊ ओह सब लोग खातिर अनंत उद्धार के कर्ता बन गइले जे ओकर आज्ञा मानेला, (इब्रानियों 5:5,8-9)

प्रेरित पौलुस चेतावनी देले कि कुछ लोग ई ना सिखाई कि यीशु के सुसमाचार ही जवाब ह, बलुक ई कि कवनो दोसर रास्ता भी ठीक बा:

> [3] परमेश्वर पिता आ हमनी के प्रभु यीशु मसीह के ओर से रउआ लोग के अनुग्रह आ शांति मिले, [4] जे हमनी के पाप खातिर खुद के दे देले, ताकि ऊ हमनी के परमेश्वर आ पिता के इच्छा के अनुसार हमनी के एह वर्तमान बुरा युग से छुड़ावे, [5] जेकर महिमा युगानुयुग होखे। आमीन। [6] हमरा अचरज बा कि रउआ लोग एतना जल्दी ओकरा से मुँह मोड़ लेत बानी जे रउआ लोग के मसीह के अनुग्रह में बोलवले रहलें, आ एगो अलग सुसमाचार के ओर मुड़त बानी, [7] जवन असल में कवनो दोसर सुसमाचार बा ही ना; बाकिर कुछ लोग बा जे रउआ लोग के परेशान करत बा आ मसीह के सुसमाचार के बिगाड़ल चाहत बा। [8] बाकिर अगर हमनी के, या स्वर्ग से कवनो स्वर्गदूत भी, रउआ लोग के ओकरा अलावा कवनो दोसर सुसमाचार सुनावे जवन हमनी के रउआ लोग के सुनवले बानी, त ऊ श्रापित होखे। [9] जइसे हमनी के पहिले कहले बानी, ओइसहीं अब फेरु कहत बानी, अगर केहू रउआ लोग के ओकरा अलावा कवनो दोसर सुसमाचार सुनावे जवन रउआ लोग पवले बानी, त ऊ श्रापित होखे। (गलातियों 1:3-9)

> [3] बाकिर हमरा डर बा कि जइसे साँप आपन चालाकी से हव्वा के बहकवले रहे, ओइसहीं कहीं रउआ लोग के मन ओह सरलता से ना बिगड़ जाव जवन मसीह में बा। [4] काहेकि जे आवेला ऊ अगर कवनो दोसर यीशु के प्रचार करे जेकर प्रचार हमनी के ना कइले बानी, या अगर रउआ लोग कवनो अलग आत्मा ले लीं जेकरा के रउआ लोग ना पवले बानी, या कवनो अलग सुसमाचार जेकरा के रउआ लोग स्वीकार ना कइले बानी — त रउआ लोग ओकरा के आराम से सह लेत बानी! (2 कुरिन्थियों 11:3-4)

ऊ “दोसर” आ “अलग,” असल में झूठा, सुसमाचार का रहे?

झूठा सुसमाचार के कई हिस्सा बा।

आम तौर पर, झूठा सुसमाचार ई मानल ह कि रउआ के परमेश्वर के आज्ञा सचमुच माने के जरूरत नइखे आ ओकर रास्ता पर सच्चाई से जिए के कोशिश करे के जरूरत नइखे, जबकि रउआ ओकरा के जाने के दावा करत बानी (तुलना करीं मत्ती 7:21-23)। ई अक्सर स्वार्थ पर केंद्रित होला।

साँप लगभग 6000 साल पहिले हव्वा के बहका के एगो झूठा सुसमाचार में फँसा देले रहे (उत्पत्ति 3) — आ तब से आदमी ई मानत आइल बा कि ऊ परमेश्वर से बेहतर जानेला आ भला-बुरा के फैसला खुद करे के चाहीं। हँ, यीशु के आवे के बाद ओकर नाम अक्सर तरह-तरह के झूठा सुसमाचार से जोड़ल गइल — आ ई चलत रहल बा आ अंतिम मसीह-विरोधी के समय ले चलत रही।

अब प्रेरित पौलुस के जमाना में, झूठा सुसमाचार असल में सच आ गलती के एगो ज्ञानवादी/रहस्यवादी मिश्रण रहे। ज्ञानवादी लोग मूल रूप से ई मानत रहे कि आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि पावे खातिर, आ उद्धार खातिर भी, खास ज्ञान के जरूरत बा। ज्ञानवादी लोग अक्सर ई मानत रहे कि देह जवन करेला ओकर कवनो खास मतलब नइखे, आ ऊ लोग सातवाँ दिन के सब्त जइसन मामला में परमेश्वर के आज्ञा माने के विरोध करत रहे। अइसने एगो झूठा अगुवा रहलें शमौन जादूगर, जेकरा के प्रेरित पतरस डाँटले/चेतावनी देले रहलें (प्रेरितों के काम 8:18-21)।

बाकिर ई आसान नइखे

नया नियम देखावेला कि फिलिप्पुस परमेश्वर के राज सिखवले:

> [5] तब फिलिप्पुस सामरिया नगर में उतर के ओह लोग के मसीह के प्रचार कइले। ... [12] ऊ लोग फिलिप्पुस के बात पर विश्वास कइल जब ऊ परमेश्वर के राज से जुड़ल बात के प्रचार करत रहलें ... (प्रेरितों के काम 8:5,12)

फिर भी, यीशु, पौलुस आ चेला लोग सिखवले कि परमेश्वर के राज में प्रवेश कइल आसान नइखे:

> [24] आ जब यीशु देखले कि ऊ बहुत उदास हो गइल, त ऊ कहले, "जे लोग लगे धन बा, ओह लोग के परमेश्वर के राज में जाईल केतना कठिन बा! [25] काहेकि धनी आदमी के परमेश्वर के राज में जाए से आसान बा कि ऊँट सुई के नाका से निकल जाव।"
>
> [26] आ जे लोग ई सुनल, ऊ लोग कहल, "तब केकर उद्धार हो सकेला?"
>
> [27] बाकिर ऊ कहले, "जवन आदमी खातिर असंभव बा, ऊ परमेश्वर खातिर संभव बा।" (लूका 18:24-27)
>
> [22] "हमनी के बहुत क्लेश से होके परमेश्वर के राज में जाए के बा।" (प्रेरितों के काम 14:22)
>
> [3] हे भाई लोग, हमनी के रउआ लोग खातिर हमेशा परमेश्वर के धन्यवाद देवे के चाहीं, जइसन उचित बा, काहेकि रउआ लोग के विश्वास बहुत बढ़त बा, आ रउआ हर एक के प्रेम एक दोसरा खातिर बढ़त जात बा, [4] एह से हमनी के खुद परमेश्वर के कलीसिया सभ में रउआ लोग के बड़ाई करेनी, रउआ लोग के धीरज आ विश्वास खातिर, ओह सब सतावट आ क्लेश में जेकरा के रउआ लोग सहत बानी, [5] जवन परमेश्वर के धर्मी न्याय के साफ प्रमाण ह, ताकि रउआ लोग परमेश्वर के राज के योग्य गिनल जाईं, जेकरा खातिर रउआ लोग दुख भी उठावत बानी; [6] काहेकि परमेश्वर के दृष्टि में ई धर्म के बात बा कि जे लोग रउआ लोग के दुख देत बा, ओह लोग के बदला में क्लेश दिहल जाव, [7] आ रउआ लोग के, जे दुख उठावत बानी, हमनी के साथे विश्राम दिहल जाव, जब प्रभु यीशु आपन सामर्थी स्वर्गदूत लोग के साथे स्वर्ग से प्रकट होईहें, (2 थिस्सलुनीकियों 1:3-7)

एह समय के कठिनाई के चलते, अभी एह युग में खाली कुछे लोग एकर हिस्सा बने खातिर बोलावल आ चुनल जात बा (मत्ती 22:1-14; यूहन्ना 6:44; इब्रानियों 6:4-6)। दोसर लोग बाद में बोलावल जाई, काहेकि बाइबिल देखावेला कि "जे लोग आत्मा में

भटकल रहे, ऊ लोग समझ पाई, आ जे लोग कुड़कुड़ात रहे, ऊ लोग शिक्षा सीखी” (यशायाह 29:24)।

प्रेरित पतरस सिखवले कि राज अनंत ह, आ परमेश्वर के सुसमाचार के लगन से माने के चाहीं, ना त न्याय होई:

> 10 एहसे, हे भाई लोग, आपन बोलाहट आ चुनाव के पक्का करे में आउरी लगन दिखाईं, काहेकि अगर रउआ लोग ई काम करब त कबो ठोकर ना खाएब; 11 आ एह तरे हमनी के प्रभु आ उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनंत राज में रउआ लोग के भरपूर प्रवेश मिली। (2 पतरस 1:10-11)

> 17 काहेकि ऊ समय आ गइल बा कि न्याय परमेश्वर के घराना से शुरू होखे; आ अगर ऊ पहिले हमनी से शुरू होला, त ओह लोग के अंत का होई जे परमेश्वर के सुसमाचार के आज्ञा नइखे मानत? (1 पतरस 4:17)

बाइबिल के आखिरी किताब आ राज

बाइबिल सिखावेला कि “परमेश्वर प्रेम ह” (1 यूहन्ना 4:8,16) आ यीशु परमेश्वर ह (यूहन्ना 1:1,14) — परमेश्वर के राज में एगो अइसन राजा होई जे प्रेम ह आ जेकर व्यवस्था प्रेम के समर्थन करेले, घृणा के ना (तुलना करीं प्रकाशितवाक्य 22:14-15)।

बाइबिल ई भी देखावेला कि परमेश्वर एगो स्वर्गदूत भेजीहें जे परमेश्वर के राज के अनंत सुसमाचार के घोषणा करी (प्रकाशितवाक्य 14:6-7) आ तब एगो दोसर स्वर्गदूत ई बताई कि महान देखाई देवे के बावजूद बेबीलोन गिर जाला (प्रकाशितवाक्य 14:8-9)। ई संदेश ओह सुसमाचार के अलौकिक पुष्टि होई जेकरा के दुनिया पहिलहीं गवाही के रूप में पा चुकल होई, आ ऊ लोग खातिर एगो कारण बनी जे “बड़ी भीड़” अंत के समय परमेश्वर के लगे आई (प्रकाशितवाक्य 7:9-14)। ओह आखिरी बेबीलोनी शक्ति के विपरीत जे उठी आ गिर जाई (तुलना करीं प्रकाशितवाक्य 18:1-18), परमेश्वर के राज के अंतिम चरण सदा खातिर रही:

> 15 तब सातवाँ स्वर्गदूत तुरही बजवले: आ स्वर्ग में ऊँच आवाज सुनाई पड़ल, जवन कहत रहे, “एह दुनिया के राज हमनी के प्रभु आ ओकर मसीह के राज बन गइल बा, आ ऊ युगानुयुग राज करीहें!” (प्रकाशितवाक्य 11:15)

यीशु राज में शासन करीहें! आ बाइबिल ओकर दू गो पदवी बतावेले:

> [16] आ ओकर वस्त्र पर आ ओकर जाँघ पर ई नाम लिखल बा: राजा लोग के राजा आ प्रभु लोग के प्रभु। (प्रकाशितवाक्य 19:16)

बाकिर का खाली यीशु ही शासन करीहें? एह अंश पर ध्यान दीं:

> [4] आ हम सिंहासन देखनी, आ ओह पर लोग बइठल रहे, आ ओह लोग के न्याय करे के अधिकार दिहल गइल रहे। तब हम ओह लोग के आत्मा देखनी जेकर सिर यीशु के गवाही आ परमेश्वर के वचन के चलते काट दिहल गइल रहे, जे ना ओह पशु के आ ना ओकर मूरत के पूजा कइले रहे, आ ना ओकर छाप आपन माथा या हाथ पर लेले रहे। आ ऊ लोग जिंदा भइल आ मसीह के साथे हजार साल ले राज कइल . . . [6] धन्य आ पवित्र बा ऊ, जेकर हिस्सा पहिला पुनरुत्थान में बा। अइसन लोग पर दुसरका मौत के कवनो अधिकार नइखे, बलुक ऊ लोग परमेश्वर आ मसीह के याजक होई, आ ओकरा साथे हजार साल ले राज करी। (प्रकाशितवाक्य 20:4,6)

सच्चा मसीही लोग जिंदा कइल जाई आ मसीह के साथे हजार साल ले राज करी! राज सदा खातिर रही (प्रकाशितवाक्य 11:15), बाकिर प्रकाशितवाक्य 20:6 में बतावल पहिला बेर जिंदा भइल पवित्र लोग के साथे के शासन खाली एक हजार साल खातिर रहे। एहीसे हम पहिले एकरा के राज के पहिला चरण कहनी — भौतिक, यानी हजार साल वाला चरण, ओह अंतिम, अउरी आध्यात्मिक चरण के मुकाबले।

प्रकाशितवाक्य के किताब में कई घटना के जिकिर बा जवन परमेश्वर के राज के हजार साल वाला चरण आ अंतिम चरण के बीच होई:

> [7] जब हजार साल पूरा हो जाई, त शैतान आपन कैद से छोड़ल जाई [8] आ ऊ धरती के चारो कोना में के जाति सभ के, गोग आ मागोग के, बहकावे खातिर निकली, ताकि ओह लोग के लड़ाई खातिर जुटा सके, जेकर गिनती समुंदर के बालू जइसन बा। ... [11] तब हम एगो बड़ उज्जर सिंहासन देखनी आ ओकरा पर बइठल के, जेकर मुँह के सामने से धरती आ आकाश भाग गइल। आ ओह लोग खातिर कवनो जगह ना मिलल। [12] आ हम मुरदा लोग के, छोट आ बड़, परमेश्वर के सामने खड़ा देखनी, आ किताब खोलल गइल। आ एगो दोसर किताब खोलल गइल, जवन जीवन के किताब ह। आ मुरदा लोग के ओह लोग के काम के अनुसार न्याय कइल गइल, ओह बात के अनुसार जवन किताब में लिखल रहे। [13] समुंदर आपन भीतर के मुरदा के दे देले, आ मौत आ अधोलोक आपन भीतर के मुरदा के दे देले। आ हर एक

के ओकर काम के अनुसार न्याय कइल गइल। 14 तब मौत आ अधोलोक
आग के झील में डाल दिहल गइल। ई दुसरका मौत ह। 15 आ जेकर नाम
जीवन के किताब में लिखल ना मिलल, ऊ आग के झील में डाल दिहल
गइल। (प्रकाशितवाक्य 20:7-8, 11-15)

प्रकाशितवाक्य के किताब देखावेला कि राज के एगो बाद वाला चरण होई जवन हजार साल के शासन के बाद आई, आ ओह लोग के दुसरका मौत के बाद जे मन फिरावे आ परमेश्वर के रास्ता के हमेशा खातिर ठुकरा देला:

1 तब हम एगो नया आकाश आ एगो नया धरती देखनी, काहेकि पहिला
आकाश आ पहिला धरती मिट गइल रहे। आ समुंदर भी ना रह गइल रहे। 2
तब हम, यूहन्ना, पवित्र नगर, नया यरूशलेम के परमेश्वर के लगे से स्वर्ग से
उतरत देखनी, जवन दुल्हिन जइसन आपन दूल्हा खातिर सजल रहे। 3 आ
हम स्वर्ग से एगो ऊँच आवाज सुननी जवन कहत रहे, "देखीं, परमेश्वर के
डेरा आदमी लोग के साथे बा, आ ऊ ओह लोग के साथे रहीहें, आ ऊ लोग
ओकर प्रजा होई। परमेश्वर खुद ओह लोग के साथे रहीहें आ ओह लोग के
परमेश्वर होईहें। 4 आ परमेश्वर ओह लोग के आँख से हर आँसू पोंछ दीहें; ना
त फेरु मौत होई, ना शोक, ना रोवाई। ना फेरु दरद होई, काहेकि पहिला
बात मिट गइल बा।" (प्रकाशितवाक्य 21:1-4)

1 आ ऊ हमरा के जीवन के जल के एगो निर्मल नदी देखवले, जवन स्फटिक
जइसन साफ रहे, आ परमेश्वर आ मेमना के सिंहासन से निकलत रहे। 2
ओकर गली के बीच में, आ नदी के दुनु ओर, जीवन के पेड़ रहे, जेह में बारह
तरह के फल लागत रहे, आ हर पेड़ हर महीना आपन फल देत रहे। ओह
पेड़ के पत्ता जाति सभ के चंगाई खातिर रहे। 3 आ फेरु कवनो श्राप ना रही,
बलुक परमेश्वर आ मेमना के सिंहासन ओह में होई, आ ओकर सेवक ओकर
सेवा करी। 4 ऊ लोग ओकर मुँह देखी, आ ओकर नाम ओह लोग के माथा
पर होई। 5 ओहिजा रात ना होई: ओह लोग के ना दीया के जरूरत होई आ
ना सूरज के इंजोर के, काहेकि प्रभु परमेश्वर ओह लोग के इंजोर देलें। आ ऊ
लोग युगानुयुग राज करी। (प्रकाशितवाक्य 22:1-5)

ध्यान दीं कि ई शासन, जवन हजार साल के बाद बा, ओह में परमेश्वर के सेवक लोग शामिल बा आ ई सदा खातिर रही। पवित्र नगर, जवन स्वर्ग में तइयार कइल गइल रहे, स्वर्ग छोड़ के धरती पर उतरी। ई परमेश्वर के राज के अंतिम चरण के शुरुआत ह। ओइसन समय जब फेरु कवनो दरद या दुख ना रही!

नम्र लोग धरती के अधिकारी होई (मत्ती 5:5) आ सब चीज के (प्रकाशितवाक्य 21:7)। धरती, आ ओकरा पर के पवित्र नगर भी, बेहतर होई काहेकि परमेश्वर के रास्ता लागू होई। ई समझीं कि:

> [7] ओकर शासन आ शांति के बढ़ती के कवनो अंत ना होई, (यशायाह 9:7)

साफ बा कि परमेश्वर के राज के अंतिम चरण शुरू होखे के बाद भी बढ़ती होई, काहेकि सब लोग परमेश्वर के शासन के आज्ञा मानी।

ई एगो बहुते महिमामय समय होई:

> [9] बाकिर जइसन लिखल बा: "जवन आँख ना देखले, ना कान सुनले, आ ना आदमी के मन में आइल, ऊ परमेश्वर ओह लोग खातिर तइयार कइले बाड़ें जे ओकरा से प्रेम करेला।" [10] बाकिर परमेश्वर ओकरा के आपन आत्मा के जरिए हमनी पर प्रकट कइले बाड़ें। (1 कुरिन्थियों 2:9-10)

ई प्रेम, आनंद आ अनंत सांत्वना के समय ह। ई एगो अद्भुत समय होई! परमेश्वर के राज एगो अद्भुत रूप से बेहतर अनंतकाल बनाई। का रउआ ओह में आपन हिस्सा ना चाहेनी?

5. नया नियम के बाहर के स्रोत भी परमेश्वर के राज के सिखवले

का मसीह के माने के दावा करे वाला शुरुआती लोग ई सोचत रहे कि ओह लोग के एगो असली परमेश्वर के राज के सुसमाचार के प्रचार करे के बा?

हँ।

साल भर पहिले, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना के प्रोफेसर बार्ट एहरमन आपन एगो व्याख्यान में बार-बार, आ सही तरे, एह बात पर जोर देले रहलें कि आज के ज्यादातर दावा करे वाला मसीही लोग के उलट, यीशु आ ओकर शुरुआती अनुयायी लोग परमेश्वर के राज के घोषणा करत रहे। हालाँकि डॉ. एहरमन के मसीहियत के बारे में कुल समझ Continuing Church of God के समझ से बहुत अलग बा, फिर भी हमनी के एह बात से सहमत बानी कि राज के सुसमाचार ऊहे ह जेकर घोषणा यीशु खुद कइले आ जेह पर ओकर अनुयायी लोग विश्वास कइल। हमनी के एह से भी सहमत बानी कि आज मसीहियत के दावा करे वाला बहुत लोग ई नइखे समझत।

नया नियम के बाद के सबसे पुरान सुरक्षित लेख आ उपदेश

परमेश्वर के राज ओकर एगो अहम हिस्सा रहे जेकरा के "सबसे पुरान पूरा मसीही उपदेश जवन बचल बा" कहल जाला (Holmes M.W. Ancient Christian Sermon. The Apostolic Fathers: Greek Texts and English Translations, 2nd ed. Baker Books, Grand Rapids, 2004, p. 102)। एह प्राचीन मसीही उपदेश में राज के बारे में ई बात बा:

> 5:5 आउर, हे भाई लोग, रउआ लोग जानत बानी कि देह के दुनिया में हमनी के ठहराव मामूली आ क्षणिक बा, बाकिर मसीह के वादा महान आ अद्भुत बा: आवे वाला राज में विश्राम आ अनंत जीवन।

ऊपर के बयान देखावेला कि राज अभी नइखे, बलुक ऊ आई आ अनंत होई। एकरा अलावा, ई प्राचीन उपदेश कहेला:

> 6:9 अब अगर अइसन धर्मी लोग भी आपन धर्म के काम से आपन बच्चा के ना बचा सकेला, त हमनी के के का भरोसा बा कि हमनी के परमेश्वर के राज में जाएब, अगर हमनी के आपन बपतिस्मा के शुद्ध आ निष्कलंक ना राखीं

> जा? या के हमनी के पक्ष में बोली, अगर हमनी के लगे पवित्र आ धर्मी काम ना पावल जाव? 9:6 एहसे आईं, हमनी के एक दोसरा से प्रेम करीं जा, ताकि हमनी के सब परमेश्वर के राज में जा सकीं जा। 11:7 एहसे, अगर हमनी के जानत बानी कि परमेश्वर के नजर में का सही बा, त हमनी के ओकर राज में जाएब आ ऊ वादा पाएब जवन "ना कान सुनले, ना आँख देखले, आ ना आदमी के मन कल्पना कइले।"
>
> 12:1 एहसे आईं, हमनी के प्रेम आ धार्मिकता में घड़ी-घड़ी परमेश्वर के राज के बाट जोहीं जा, काहेकि हमनी के ना जानीं जा कि परमेश्वर के प्रकट होखे के दिन कब बा। 12:6 ऊ कहेलें, हमार पिता के राज आई।

ऊपर के बयान देखावेला कि ठीक तरे जिए के जरिए प्रेम जरूरी बा, कि हमनी के अबले परमेश्वर के राज में नइखी गइल, आ कि ई परमेश्वर के प्रकट होखे के दिन के बाद होला — यानी यीशु के फेरु लवटला के बाद। ई पिता के राज ह आ राज खाली यीशु नइखे।

ई दिलचस्प बा कि सबसे पुरान जवन मसीही उपदेश परमेश्वर बचल रहे देले बाड़ें, ऊ ओहीं परमेश्वर के राज के सिखावेला जवन नया नियम सिखावेला आ जवन Continuing Church of God आज सिखावेला (ई हो सकेला कि ऊ सचमुच कवनो Church of God के होखे, बाकिर यूनानी भाषा के हमार सीमित ज्ञान हमरा के एकरा पर अउरी पक्का बात कहे से रोकेला)।

दुसरका सदी के कलीसिया के अगुवा आ राज के सुसमाचार

ई ध्यान देवे लायक बा कि दुसरका सदी के शुरू में पापियास, जे यूहन्ना के सुनले रहलें आ पॉलीकार्प के मीत रहलें आ जेकरा के रोमन कैथोलिक लोग संत मानेला, हजार साल के राज के सिखावत रहलें। यूसीबियस लिखले बा कि पापियास ई सिखवले:

> ... मुरदा में से पुनरुत्थान के बाद एगो हजार साल के काल होई, जब मसीह के व्यक्तिगत शासन एह धरती पर स्थापित होई। (Fragments of Papias, VI. यूसीबियस, Church History, Book 3, XXXIX, 12 भी देखीं)

पापियास सिखवले कि ई बहुत बहुतायत के समय होई:

> ओइसहीं, [ऊ कहले कि] गेहूँ के एगो दाना दस

> हजार बाल पैदा करी, आ हर बाल में दस हजार दाना होई, आ हर दाना से दस पाउंड साफ, शुद्ध, बढ़िया आटा निकली; आ सेब, बीया आ घास भी ओहीं अनुपात में उपजी; आ सब जानवर, जे तब खाली धरती के उपज खाई, शांत आ मिलनसार हो जाई, आ आदमी के पूरा तरे अधीन रही।" [एह बात के लिखित गवाही पापियास देले बाड़ें, जे एगो प्राचीन आदमी रहलें, यूहन्ना के सुनले रहलें आ पॉलीकार्प के मीत रहलें, आपन चउथा किताब में; काहेकि ऊ पाँच किताब लिखले रहलें...] (Fragments of Papias, IV)

नया नियम के बाद के कुरिन्थियों के नाम पत्र कहेला:

> 42:1-3 प्रेरित लोग हमनी खातिर सुसमाचार प्रभु यीशु मसीह से पवले; यीशु मसीह परमेश्वर के ओर से भेजल गइल रहलें। एहसे मसीह परमेश्वर के ओर से बाड़ें, आ प्रेरित लोग मसीह के ओर से। एहसे दुनु परमेश्वर के इच्छा से तय क्रम में अइले। एहसे जिम्मेदारी पाके, आ हमनी के प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान के जरिए पूरा भरोसा पाके आ पवित्र आत्मा के पूरा निश्चय के साथे परमेश्वर के वचन में दृढ़ होके, ऊ लोग ई नीमन खबर लेके निकलल कि परमेश्वर के राज आवे वाला बा।

स्मुरना के पॉलीकार्प एगो शुरुआती मसीही अगुवा रहलें, जे यूहन्ना के चेला भी रहलें, आ यूहन्ना मूल प्रेरित लोग में सबसे आखिर में मरे वाला रहलें। पॉलीकार्प लगभग 120-135 ई. में सिखवले:

> धन्य बा गरीब लोग, आ ऊ लोग जे धार्मिकता खातिर सतावल जाला, काहेकि परमेश्वर के राज ओह लोग के ह। (Polycarp. Letter to the Philippians, Chapter II. From Ante-Nicene Fathers, Volume 1 as edited by Alexander Roberts & James Donaldson. American Edition, 1885)

> त ई जानत कि "परमेश्वर के ठट्ठा में ना उड़ावल जा सके," हमनी के ओकर आज्ञा आ महिमा के योग्य चाल चले के चाहीं ...काहेकि ई नीमन बा कि ऊ लोग दुनिया के अभिलाषा से अलग कइल जाव, काहेकि "हर अभिलाषा आत्मा से लड़ेले;" आ "ना व्यभिचारी, ना लुचपन करे वाला, ना पुरुषगामी परमेश्वर के राज के अधिकारी होई," आ ना ऊ लोग जे बेमेल आ अशोभनीय काम करेला। (ibid, Chapter V)

> त आईं, हमनी के डर आ पूरा आदर के साथे ओकर सेवा करीं जा, जइसन ऊ खुद हमनी के आदेश देले बाड़ें, आ जइसन ओह प्रेरित लोग सिखवले जे हमनी के सुसमाचार सुनवले, आ ओह भविष्यवक्ता लोग जे पहिलहीं प्रभु के आगमन के घोषणा कइले। (ibid, Chapter VI)

नया नियम के दोसर लोग जइसन, पॉलीकार्प भी सिखवले कि धर्मी लोग, ना कि आज्ञा तोड़े वाला लोग, परमेश्वर के राज के अधिकारी होई।

ई भी दावा कइल जाला कि पॉलीकार्प ई सिखवले:

> आ अगिला सब्त के ऊ कहले; 'हे परमेश्वर के प्रिय बच्चा लोग, हमार समझावन सुनीं। जब बिशप लोग मौजूद रहे तब हम रउआ लोग के शपथ देले रहनी, आ अब फेरु हम रउआ सब लोग के समझावत बानी कि प्रभु के रास्ता पर शालीनता आ योग्यता से चलीं...जागत रहीं, आ फेरु, तइयार रहीं, रउआ लोग के मन बोझ से दबे मत, एक दोसरा से प्रेम करे के नया आज्ञा, ओकर आगमन जवन तेज बिजली जइसन अचानक प्रकट होई, आग से महान न्याय, अनंत जीवन, ओकर अमर राज। आ जवन कुछ रउआ लोग परमेश्वर से सीखत बानी ऊ रउआ लोग जानत बानी, जब रउआ लोग प्रेरित शास्त्र के खोजत बानी, ओकरा के पवित्र आत्मा के कलम से आपन मन पर खोद लीं, ताकि आज्ञा रउआ लोग में अमिट रूप से बनल रहे।' (Life of Polycarp, Chapter 24. J. B. Lightfoot, The Apostolic Fathers, vol. 3.2, 1889, pp. 488-506)

सार्दिस के मेलितो, जे एगो Church of God के अगुवा रहलें, लगभग 170 ई. में सिखवले:

> काहेकि सचमुच व्यवस्था सुसमाचार में निकलल – पुरान नया में, आ दुनु सिय्योन आ यरूशलेम से एक साथे निकलल; आ आज्ञा अनुग्रह में निकलल, आ नमूना तइयार चीज में, आ मेमना पुत्र में, आ भेड़ एगो आदमी में, आ आदमी परमेश्वर में ...
>
> बाकिर सुसमाचार व्यवस्था के आ ओकर
>
> पूरा होखल बन गइल, जबकि कलीसिया सच के भंडार बन गइल...

> इहे ऊ ह जे हमनी के गुलामी से आजादी में, अन्हार से इंजोर में, मौत से जीवन में, अत्याचार से एगो अनंत राज में ले अइले। (Melito. Homily On the Passover. Verses 7,40, 68. Translation from Kerux: The Journal of Online Theology. http://www.kerux.com/documents/KeruxV4N1A1.asp)

एह तरे, परमेश्वर के राज के अनंत चीज मानल जात रहे, ना कि खाली आज के मसीही या रोमन कैथोलिक कलीसिया, आ ओह में परमेश्वर के व्यवस्था शामिल रहे।

दुसरका सदी के मध्य-अंत के एगो दोसर लेख लोग के उकसावेला कि ऊ लोग राज के ओर देखे:

> एहसे, रउआ लोग में से केहू फेरु ढोंग मत करे आ ना पाछे मुड़ के देखे, बलुक खुशी से परमेश्वर के राज के सुसमाचार के लगे आवे। (Roman Clement. Recognitions, Book X, Chapter XLV. Excerpted from Ante-Nicene Fathers, Volume 8. Edited by Alexander Roberts & James Donaldson. American Edition, 1886)

एकरा अलावा, हालाँकि ई लागेला कि ई सच्चा कलीसिया के केहू ना लिखले रहे, बाकिर दुसरका सदी के मध्य के लेख जेकर नाम The Shepherd of Hermas बा, ओह में रॉबर्ट्स आ डोनाल्डसन के अनुवाद में "परमेश्वर के राज" शब्द चौदह बेर आइल बा।

सच्चा मसीही लोग, आ ऊ बहुत लोग भी जे खाली मसीह के माने के दावा करत रहे, दुसरका सदी में परमेश्वर के राज के बारे में कुछ जानत रहे।

रोमन कैथोलिक आ पूर्वी रूढ़िवादी संत इरेनियस भी समझत रहलें कि पुनरुत्थान के बाद मसीही लोग परमेश्वर के राज में प्रवेश करी। ध्यान दीं कि ऊ लगभग 180 ई. में का लिखले:

> काहेकि जे लोग विश्वास कइले बा ओह लोग के हालत अइसने बा, काहेकि ओह लोग में लगातार पवित्र आत्मा बनल रहेला, जेकरा के ऊ बपतिस्मा में देले रहलें, आ जेकरा के पावे वाला ओकरा के थामले रहेला, अगर ऊ सच, पवित्रता, धार्मिकता आ धीरज में चलेला। काहेकि विश्वास करे वाला लोग में एह प्राण के पुनरुत्थान होला, आ देह फेरु से प्राण के पावेला, आ ओकरा साथे, पवित्र आत्मा के सामर्थ से, जिंदा कइल जाला आ परमेश्वर के राज में

> प्रवेश करेला। (Irenaeus, St., Bishop of Lyon. Translated from the Armenian by Armitage Robinson. The Demonstration of the Apostolic Preaching, Chapter 42. Wells, Somerset, Oct. 1879. As published in SOCIETY FOR PROMOTING CHRISTIAN KNOWLEDGE. NEW YORK: THE MACMILLAN CO, 1920)

अंताकिया के थियोफिलस सिखवले:

> हम त खाली ओकर भलाई के जिकिर करत बानी; अगर हम ओकरा के राज कहीं, त हम खाली ओकर महिमा के जिकिर करत बानी ... काहेकि अगर ऊ ओकरा के शुरू से अमर बनवले रहितें, त ऊ ओकरा के परमेश्वर बना देले रहितें। ... एहसे ऊ ओकरा के ना अमर बनवले आ ना नाशवान, बलुक, जइसन हमनी के ऊपर कहले बानी, दुनु के काबिल; ताकि अगर ऊ परमेश्वर के आज्ञा मानत अमरता के चीज के ओर झुके, त ऊ ओकरा से इनाम में अमरता पावे, आ परमेश्वर बन जाव। (Theophilus, To Autolycus, 1:3, 2:27)

रोमन कैथोलिक संत हिप्पोलिटस तिसरका सदी के शुरू में लिखले:

> आ रउआ स्वर्ग के राज पाएब, रउआ जे एह जीवन में रहत घरी स्वर्गीय राजा के जनले बानी। आ रउआ ईश्वर के साथी होखब, आ मसीह के सह-वारिस, आ फेरु ना अभिलाषा या वासना के गुलाम रहब, आ ना कबो बेमारी से टूटब। काहेकि रउआ परमेश्वर बन गइल बानी: काहेकि आदमी रहत घरी रउआ जवन दुख उठवनी, ऊ सब ऊ रउआ के देले, काहेकि रउआ नाशवान साँचा के रहनी, बाकिर जवन कुछ देवल परमेश्वर के अनुरूप बा, ऊ सब परमेश्वर रउआ के देवे के वादा कइले बाड़ें, काहेकि रउआ ईश्वरत्व पा लेले बानी, आ अमरता खातिर जनमल बानी। (Hippolytus. Refutation of All Heresies, Book X, Chapter 30)

आदमी के लक्ष्य ई बा कि ऊ आवे वाला परमेश्वर के राज में ईश्वरत्व पावे (परमेश्वर के असली संतान के रूप में, तुलना करीं भजन संहिता 82:6)।

आवे वाला परमेश्वर के राज मूल कैथोलिक कलीसिया के एगो शिक्षा रहे (हमनी के मुफ्त ई-बुक भी देखीं, जवन ccog.org पर उपलब्ध बा, नाम Beliefs of the Original Catholic Church: Could a remnant group have continuing apostolic succession?)।

दुसरका आ तिसरका सदी के समस्या

राज के व्यापक स्वीकृति के बावजूद, दुसरका सदी में मार्सियन नाम के एगो व्यवस्था-विरोधी धर्मत्यागी अगुवा उठल। मार्सियन परमेश्वर के व्यवस्था, सब्त आ असली परमेश्वर के राज के खिलाफ सिखावत रहलें। हालाँकि पॉलीकार्प आ दोसर लोग ओकर निंदा कइले, फिर भी ऊ काफी समय ले रोम के कलीसिया के संपर्क में रहलें आ लागेला कि रोमी कलीसिया पर ओकर बहुत असर रहे।

दुसरका आ तिसरका सदी में सिकंदरिया (मिस्र) में रूपकवादी लोग जम रहल रहे। बहुत रूपकवादी लोग असली परमेश्वर के राज के सिद्धांत के विरोध करत रहे। ओह रूपकवादी लोग में से कुछ के बारे में ई विवरण देखीं:

> डायोनिसियस सिकंदरिया के एगो कुलीन आ धनी गैर-यहूदी परिवार में जनमल रहलें, आ ओह लोग के दर्शन में शिक्षा पवले रहलें। ऊ गैर-यहूदी विद्यालय छोड़ के ओरिजन के शिष्य बन गइलें, आ बाद में सिकंदरिया के धर्मशिक्षा विद्यालय के जिम्मेदारी में ओकर उत्तराधिकारी भइलें...
>
> क्लेमेंट, ओरिजन आ ज्ञानवादी विद्यालय आपन काल्पनिक आ रूपकात्मक व्याख्या से पवित्र वचन के सिद्धांत के बिगाड़त रहे...ओह लोग के नाम "रूपकवादी" पड़ गइल। नेपोस सार्वजनिक रूप से रूपकवादी लोग से लड़ले, आ ई बात पर अड़ल रहलें कि धरती पर मसीह के शासन होई...
>
> डायोनिसियस नेपोस के अनुयायी लोग से विवाद कइले, आ ओकर बयान के अनुसार... "अइसन हालत जइसन अब परमेश्वर के राज में बा।" ई पहिला बेर बा जब परमेश्वर के राज के कलीसिया के वर्तमान हालत में मौजूद बतावल गइल...
>
> नेपोस ओह लोग के गलती के डाँटले, आ देखवले कि स्वर्ग के राज रूपकात्मक नइखे, बलुक ऊ हमनी के प्रभु के असली आवे वाला राज ह, जवन अनंत जीवन खातिर पुनरुत्थान में होई...
>
> एह तरे ई विचार कि राज चीज के वर्तमान हालत में आ चुकल बा, मिस्र के ज्ञानवादी रूपकवादी विद्यालय में 200 से 250 ई. के बीच गढ़ल आ फइलावल गइल, आ ई ओकरा पूरा एक सदी पहिले भइल जब साम्राज्य के बिशप लोग के सिंहासन पर बइठल मानल जाए लागल...

> क्लेमेंट परमेश्वर के राज के विचार के परमेश्वर के सच्चा मानसिक ज्ञान के अवस्था के रूप में गढ़ले। ओरिजन एकरा के शास्त्र के साफ अक्षर में छिपल एगो आध्यात्मिक अर्थ के रूप में पेश कइले। (Ward, Henry Dana. The Gospel of the Kingdom: A Kingdom Not of this World; Not in this World; But to Come in the Heavenly Country, of the Resurrection from the Dead and of the Restitution of All Things. Published by Claxton, Remsen & Haffelfinger, 1870, pp. 124-125)

एह तरे, जहाँ बिशप नेपोस परमेश्वर के राज के सुसमाचार सिखावत रहलें, ओहिजा रूपकवादी लोग ओकर एगो झूठा, कम असली समझ गढ़े के कोशिश करत रहे। हिरापोलिस के बिशप अपोलिनारिस भी लगभग ओहीं समय रूपकवादी लोग के गलती से लड़े के कोशिश कइले। जे लोग सचमुच Church of God में रहे, ऊ लोग इतिहास भर असली परमेश्वर के राज के सच पर अड़ल रहल।

हर्बर्ट डब्ल्यू. आर्मस्ट्रांग राज के सुसमाचार सिखवले, आ एकरा अलावा भी

20वाँ सदी में, दिवंगत हर्बर्ट डब्ल्यू. आर्मस्ट्रांग, जे Church of God के आधुनिक फिलाडेल्फिया युग के पहिला अगुवा रहलें (प्रकाशितवाक्य 3:7-13), लिखले:

> काहेकि ऊ लोग मसीह के सुसमाचार के ठुकरा देले ..., एहसे दुनिया के ओकर जगह कुछ आउर रखे के पड़ल। ओह लोग के एगो नकल गढ़े के पड़ल! एहसे हमनी के सुनले बानी कि परमेश्वर के राज के खाली एगो सुंदर घिसल-पिटल बात कहल जाला — आदमी के मन में एगो नीमन भावना — जेकरा से ऊ एगो हवाई, अवास्तविक शून्य बन जाला! दोसर लोग गलत तरे बतवले बा कि "कलीसिया" ही राज ह ... भविष्यवक्ता दानिय्येल, जे मसीह से 600 साल पहिले रहलें, जानत रहलें कि परमेश्वर के राज एगो असली राज ह — एगो शासन जवन धरती पर असली लोग पर शासन करेला ...
>
> एहिजा ... परमेश्वर के ओर से ई बतावल बा कि परमेश्वर के राज का ह: "आ ओह राजा लोग के दिन में..." — एहिजा दस गो अँगुरी के बात हो रहल बा, कुछ लोहा के आ कुछ भुरभुरा माटी के। ई, एह भविष्यवाणी के दानिय्येल 7, आ प्रकाशितवाक्य 13 आ 17 से जोड़ला पर, ओह नया संयुक्त राज्य यूरोप के बारे में बा जवन अब बन रहल बा ... रउआ के आँख के सामने! प्रकाशितवाक्य 17:12 ई ब्यौरा साफ करेला कि ई दस राजा या राज के संघ होई जवन (प्रका. 17:8) पुरान रोमी साम्राज्य के फेरु जिंदा करी ...

जब मसीह आईहें, त ऊ राजा लोग के राजा के रूप में आईहें, आ पूरा धरती पर शासन करीहें (प्रका. 19:11-16); आ ओकर राज — परमेश्वर के राज — दानिय्येल कहले, एह सब दुनियावी राज के निगल जाई। प्रकाशितवाक्य 11:15 एकरा के एह शब्द में कहेला: "एह दुनिया के राज हमनी के प्रभु आ ओकर मसीह के राज बन गइल बा: आ ऊ युगानुयुग राज करीहें"! इहे परमेश्वर के राज ह। ई वर्तमान सरकार सभ के अंत ह — हँ, संयुक्त राज्य अमेरिका आ ब्रिटिश देश सभ के भी। तब ऊ लोग प्रभु यीशु मसीह के राज — यानी शासन — बन जाई, आ तब ऊ पूरा धरती पर राजा लोग के राजा होईहें। ई पूरा तरे साफ कर देला कि परमेश्वर के राज एगो असली शासन ह। जइसे कसदी साम्राज्य एगो राज रहे — जइसे रोमी साम्राज्य एगो राज रहे — ओइसहीं परमेश्वर के राज एगो शासन ह। एकरा के दुनिया के जाति सभ के शासन अपना हाथ में लेवे के बा। यीशु मसीह राजा — यानी शासक — बने खातिर जनमल रहलें! ...

ऊहे यीशु मसीह, जे 1,900 साल से भी पहिले पवित्र देश के पहाड़ी आ घाटी पर आ यरूशलेम के गली में चलले रहलें, फेरु आवत बाड़ें। ऊ कहले रहलें कि ऊ फेरु आईहें। ओकरा के क्रूस पर चढ़ावल गइला के बाद, परमेश्वर ओकरा के तीन दिन आ तीन रात के बाद मुरदा में से जिंदा कइले (मत्ती 12:40; प्रेरितों के काम 2:32; 1 कुरि. 15:3-4)। ऊ परमेश्वर के सिंहासन पर चढ़ गइले। ब्रह्मांड के शासन के मुख्यालय (प्रेरितों के काम 1:9-11; इब्रा. 1:3; 8:1; 10:12; प्रका. 3:21)।

ऊहे दृष्टान्त के "कुलीन आदमी" ह, जे परमेश्वर के सिंहासन पर — यानी "दूर देश" — गइलें ताकि सब जाति पर राजा लोग के राजा के रूप में राजतिलक पावसु, आ तब धरती पर लवटसु (लूका 19:12-27)।

फेरु, ऊ तब ले स्वर्ग में बाड़ें जब ले "सब चीज के पुनर्स्थापना के समय" ना आ जाव (प्रेरितों के काम 3:19-21)। पुनर्स्थापना के मतलब बा पहिले के हालत या अवस्था में लवटावल। एह मामला में, धरती पर परमेश्वर के शासन के पुनर्स्थापना, आ एह तरे विश्व शांति आ आदर्श हालत के पुनर्स्थापना।

आज के दुनिया के उथल-पुथल, बढ़त युद्ध आ झगड़ा ओइसन विश्व संकट में बदल जाई कि अगर परमेश्वर बीच में ना आवसु, त कवनो मनुष्य जिंदा ना बची (मत्ती 24:22)। ठीक ओही चरम पर, जब देरी से एह ग्रह के सब जीवन खतम हो जाइत, यीशु मसीह लवट आईहें। एह बेर ऊ दिव्य परमेश्वर के रूप

में आवत बाड़ें। ऊ ब्रह्मांड पर शासन करे वाला सृष्टिकर्ता के पूरा सामर्थ आ महिमा में आवत बाड़ें। (मत्ती 24:30; 25:31।) ऊ "राजा लोग के राजा आ प्रभु लोग के प्रभु" के रूप में आवत बाड़ें (प्रका. 19:16), ताकि विश्व महाशासन स्थापित करसु आ सब जाति पर "लोहा के छड़ी से" शासन करसु (प्रका. 19:15; 12:5) ...

मसीह के स्वागत ना होई?

बाकिर का मनुष्य जाति खुशी से चिल्लाई आ ओकर स्वागत उन्माद भरल आनंद आ उत्साह से करी — का परंपरागत मसीहियत के कलीसिया भी अइसन करी?

ऊ लोग ना करी! ऊ लोग मानी कि ऊ मसीह-विरोधी ह, काहेकि शैतान के झूठा सेवक लोग (2 कुरि. 11:13-15) ओह लोग के धोखा देले बा। कलीसिया आ जाति सभ ओकर आगमन पर क्रोधित होई (प्रका. 11:15 आ 11:18 के साथे), आ सेना सचमुच ओकरा से लड़ के ओकरा के नाश करे के कोशिश करी (प्रका. 17:14)!

जाति सभ आवे वाला तिसरका विश्व युद्ध के चरम लड़ाई में लागल होई, आ मोर्चा यरूशलेम में होई (जकर्याह 14:1-2), आ तब मसीह लवट आईहें। अलौकिक सामर्थ से ऊ "ओह जाति सभ से लड़ीहें" जे ओकरा से लड़त बा (आयत 3)। ऊ ओह लोग के पूरा तरे हरा दीहें (प्रका. 17:14)! "ओह दिन ओकर गोड़ जैतून के पहाड़ पर टिकी," जवन यरूशलेम से पूरब में बहुत थोड़ दूर बा (जकर्याह 14:4)। (Armstrong HW. The Mystery of the Ages, 1984)

बाइबिल घोषणा करेले कि यीशु लवटीहें, आ ऊ जीतीहें, फिर भी ओकर वापसी पर बहुत लोग ओकरा से लड़ी (प्रकाशितवाक्य 19:19)। बहुत लोग दावा करी (बाइबिल के भविष्यवाणी के गलत समझ के आधार पर, बाकिर कुछ हद ले झूठा भविष्यवक्ता आ रहस्यवादी लोग के चलते) कि लवटत यीशु ही अंतिम मसीह-विरोधी ह!

नीचे के बात भी हर्बर्ट आर्मस्ट्रांग के ह:

सच्चा धर्म — परमेश्वर के सच, जेकरा के पवित्र आत्मा के दिहल परमेश्वर के प्रेम से सामर्थ मिलेला...परमेश्वर आ यीशु मसीह के जाने के अकथनीय

> आनंद — सच के जाने के आनंद — आ परमेश्वर के दिव्य प्रेम के गरमाहट! ...
>
> परमेश्वर के सच्चा कलीसिया के शिक्षा बस इहे बा कि पवित्र बाइबिल के "हर वचन से जीयल जाव" ...
>
> आदमी "पावे" के रास्ता छोड़ के "देवे" के रास्ता पर आई — परमेश्वर के प्रेम के रास्ता।
>
> अब एगो नया सभ्यता धरती पर छा जाई! (ibid)

ई नया सभ्यता परमेश्वर के राज ह। ई घोषणा कइल कि एगो नया सभ्यता आवे वाला बा आ ऊ प्रेम पर आधारित होई, ओह सच्चा राज के सुसमाचार के एगो बड़ हिस्सा ह जेकरा के यीशु आ ओकर अनुयायी लोग सिखवले। इहे बा जेकर प्रचार हमनी के Continuing Church of God में करेनी।

हर्बर्ट आर्मस्ट्रांग समझले कि यीशु ई सिखावत रहलें कि मानव समाज, चाहे ऊ सोचे कि ऊ आज्ञा माने के चाहत बा, फिर भी 'देवे के रास्ता,' यानी प्रेम के रास्ता, के ठुकरा देले बा। लागेला कि लगभग केहू ठीक से ना समझत कि यीशु जवन सिखावत रहलें ओकर महत्व का बा।

यीशु के जरिए उद्धार सुसमाचार के हिस्सा ह

अब कुछ लोग जे एहिजा ले पढ़ले बा, शायद सोचत होई कि उद्धार में यीशु के मौत के का भूमिका बा। हँ, ओकर मौत ओह सुसमाचार के हिस्सा ह जेकरा बारे में नया नियम आ हर्बर्ट डब्ल्यू. आर्मस्ट्रांग दुनु लिखले बा।

नया नियम देखावेला कि सुसमाचार में यीशु के जरिए उद्धार शामिल बा:

> [16] काहेकि हम मसीह के सुसमाचार से ना लजाईं, काहेकि ई हर विश्वास करे वाला खातिर उद्धार खातिर परमेश्वर के सामर्थ ह, पहिले यहूदी खातिर आ फेरु यूनानी खातिर भी (रोमियों 1:16)।
>
> [4] एहसे जे लोग बिखर गइल रहे, ऊ लोग हर जगह जाके वचन के प्रचार कइल। [5] तब फिलिप्पुस सामरिया नगर में उतर के ओह लोग के मसीह के प्रचार कइले। ... [12] बाकिर जब ऊ लोग फिलिप्पुस के बात पर विश्वास कइल, जब ऊ परमेश्वर के राज आ यीशु मसीह के नाम से जुड़ल बात के प्रचार

करत रहलें, त मरद आ मेहरारू दुनु बपतिस्मा लिहल। ... 25 एहसे जब ऊ
लोग गवाही देले आ प्रभु के वचन के प्रचार कइले, त ऊ लोग यरूशलेम
लवट गइल, आ रास्ता में सामरी लोग के बहुत गाँव में सुसमाचार सुनावत
गइल। 26 तब प्रभु के एगो स्वर्गदूत फिलिप्पुस से बतियवले ... 40 फिलिप्पुस
अशदोद में पावल गइलें। आ ऊ आगे बढ़त सब नगर में प्रचार करत गइले
जब ले ऊ कैसरिया ना पहुँचल। (प्रेरितों के काम 8:4,5,12,25,26,40)

18 ऊ ओह लोग के यीशु आ पुनरुत्थान के प्रचार कइले। (प्रेरितों के काम
17:18)

30 तब पौलुस पूरा दू साल आपन किराया के घर में रहले, आ जे ओकरा लगे
आवत रहे सब के स्वागत कइले, 31 आ पूरा हिम्मत के साथे **परमेश्वर के राज
के प्रचार करत आ प्रभु यीशु मसीह से जुड़ल बात सिखावत** रहले, आ
केहू ओकरा के मना ना कइल। (प्रेरितों के काम 28:30-31)

ध्यान दीं कि प्रचार में यीशु आ राज दुनु शामिल रहे। दुख के बात बा कि यूनानी-रोमी कलीसिया के शिक्षा में परमेश्वर के राज के सुसमाचार के ठीक समझ अक्सर गायब रहेला।

असल में, हमनी के ओह राज के हिस्सा बनावे में मदद करे खातिर, परमेश्वर आदमी से एतना प्रेम कइले कि ऊ यीशु के हमनी खातिर मरे भेजले (यूहन्ना 3:16-17) आ आपन अनुग्रह से हमनी के उद्धार भी करेलें (इफिसियों 2:8)। आ इहो ओह नीमन खबर के हिस्सा ह (प्रेरितों के काम 20:24)।

दुनिया के जरूरत राज के सुसमाचार के बा, बाकिर ...

शांति खातिर काम कइल (मत्ती 5:9) आ भलाई कइल नीमन लक्ष्य ह (तुलना करीं गलातियों 6:10)। फिर भी, दुनिया के बहुत नेता, जेह में धार्मिक नेता भी शामिल बा, ई मानेला कि शांति आ समृद्धि अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहयोग से आई, ना कि परमेश्वर के राज से। आ हालाँकि ओह लोग के कुछ अस्थायी सफलता मिली, बाकिर ऊ लोग ना खाली सफल ना होई, बलुक ओह लोग के कुछ मानवीय कोशिश आखिरकार धरती के ओह हालत में पहुँचा दी कि जीवन टिक ना पाइत, अगर यीशु आपन राज स्थापित करे लवट ना अइतें (मत्ती 24:21-22)। परमेश्वर के बिना आदमी के धरती के ठीक करल एगो व्यर्थ आ झूठा सुसमाचार ह (भजन संहिता 127:1)।

दुनिया के बहुत लोग एगो अर्ध-धार्मिक बेबीलोनी अंतरराष्ट्रीय योजना जोड़े के कोशिश करत बा ताकि 21वाँ सदी में एगो नया विश्व व्यवस्था लागू कइल जा सके। Continuing Church of God आपन शुरुआत से ही एकर निंदा करत आइल बा आ आगे भी निंदा करत रही। जब से शैतान लगभग 6000 साल पहिले हव्वा के बहका के आपन सुसमाचार के एगो रूप में फँसा देले रहे (उत्पत्ति 3), तब से बहुत आदमी ई मानत आइल बा कि ऊ लोग परमेश्वर से बेहतर जानेला कि ओह लोग के आ दुनिया के का चीज बेहतर बनाई।

बाइबिल के अनुसार, एगो 'बेबीलोनी' (प्रकाशितवाक्य 17 आ 18) विश्व व्यवस्था ले आवे खातिर यूरोप के एगो सैन्य नेता (जेकरा के उत्तर के राजा कहल जाला, आ प्रकाशितवाक्य 13:1-10 के पशु भी कहल जाला) आ सात पहाड़ी वाला नगर (प्रकाशितवाक्य 17:9,18) के एगो धार्मिक नेता (जेकरा के झूठा भविष्यवक्ता कहल जाला, आ अंतिम मसीह-विरोधी आ प्रकाशितवाक्य 13:11-17 के दू सींग वाला पशु भी कहल जाला) दुनु के मिलल जरूरी होई। हालाँकि मनुष्य जाति के मसीह के वापसी आ ओकर राज के स्थापना के जरूरत बा, फिर भी दुनिया के बहुत लोग 21वाँ सदी में एह संदेश पर ध्यान ना दी — ऊ लोग शैतान के झूठा सुसमाचार के तरह-तरह के रूप पर विश्वास करत रही। बाकिर दुनिया के एगो गवाही मिली।

याद करीं कि यीशु सिखवले:

> 14 आ राज के ई सुसमाचार पूरा दुनिया में सब जाति के सामने गवाही खातिर प्रचार कइल जाई, आ तब अंत आ जाई। (मत्ती 24:14)

ध्यान दीं कि राज के सुसमाचार दुनिया में गवाही के रूप में पहुँची, तब अंत आई। ऊ "अंत" यानी "महाक्लेश" के शुरुआत।

एकर कई कारण बा।

एगो कारण ई बा कि परमेश्वर चाहेलें कि महाक्लेश के शुरू होखे से पहिले दुनिया सच्चा सुसमाचार सुन ले (जेकर शुरुआत मत्ती 24:21 में देखावल गइल बा)। एह तरे, सुसमाचार के संदेश एगो गवाही आ एगो चेतावनी ह (तुलना करीं यहेजकेल 3; आमोस 3:7)। एकरा से यीशु के लवटला से पहिले अउरी अन्यजाति लोग के मन-परिवर्तन होई (रोमियों 11:25) आ गैर-अन्यजाति लोग के भी (रोमियों 9:27)।

एगो दोसर कारण ई बा कि एह संदेश के सार उठत उत्तर के राजा वाला पशु शक्ति आ झूठा भविष्यवक्ता, यानी अंतिम मसीह-विरोधी, के विचार के उलट होई। ऊ दुनु

मूल रूप से मानवीय कोशिश आ धार्मिक समझौता से शांति के वादा करी, बाकिर ई अंत (मत्ती 24:14-22) आ विनाश (तुलना करीं 1 थिस्सलुनीकियों 5:3) के ओर ले जाई।

हालाँकि बाइबिल कहेले कि मूल सच्चा विश्वास खातिर लड़ीं (यहूदा 3), कि परमेश्वर के वचन सच ह (यूहन्ना 17:17), आ कि सच्चा मसीही लोग के ओह लोग से अलग रहे के चाहीं जे मूरतिपूजा से समझौता करेला (2 कुरिन्थियों 6:14-17), फिर भी बहुत लोग कही कि ओह लोग के "सुसमाचार" (नीमन खबर) में समझौता शामिल बा ताकि शांति आ एकता बनल रहे। दुख के बात बा कि पशु आ झूठा भविष्यवक्ता (अंतिम मसीह-विरोधी) के सर्वचर्च आ अंतरधार्मिक एजेंडा के बढ़ावा देवे वाला बहुत लोग परमेश्वर के राज के सच्चा सुसमाचार के झूठा सुसमाचार मानी।

ओह लोग के साथे जुड़ल चिन्ह आ झूठा अचरज के चलते (2 थिस्सलुनीकियों 2:9), दुनिया के ज्यादातर लोग सुसमाचार के संदेश के जगह एगो झूठ पर विश्वास करे के चुनी (2 थिस्सलुनीकियों 2:9-12)। रोमन कैथोलिक, पूर्वी रूढ़िवादी, लूथरन आ दोसर लोग के हजार साल के परमेश्वर के राज के गलत निंदा के चलते, बहुत लोग गलत तरे दावा करी कि परमेश्वर के हजार साल के राज के सुसमाचार के संदेश ही ऊ झूठा सुसमाचार ह जवन पशु आ मसीह-विरोधी से जुड़ल बा।

महाक्लेश के शुरू होखे से पहिले, विश्वासयोग्य फिलाडेल्फिया के मसीही लोग (प्रकाशितवाक्य 3:7-13) दुनिया ले पहुँची (मत्ती 24:14) आ राज के हजार साल वाला सुसमाचार के घोषणा करी आ दुनिया के बताई कि कुछ दुनियावी नेता (पशु आ झूठा भविष्यवक्ता समेत) का करे वाला बाड़ें।

ऊ लोग दुनिया के ई संदेश देवे के समर्थन करी कि पशु, यानी उत्तर के राजा वाला शक्ति, आ ओकरा साथे झूठा भविष्यवक्ता, यानी अंतिम मसीह-विरोधी, आखिरकार (आपन कुछ सहयोगी के साथे) अमेरिका आ यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया आ न्यूजीलैंड के आंग्ल-देश सभ के नाश कर दी (दानिय्येल 11:24,39), आ ओकरा तुरंत बाद ऊ लोग एगो अरबी/इस्लामी संघ के नाश करी (दानिय्येल 11:40-43), दुष्टात्मा के औजार के रूप में काम करी (प्रकाशितवाक्य 16:13-14), आ आखिरकार यीशु मसीह के वापसी पर ओकरा से लड़ी (प्रकाशितवाक्य 16:14; 19:19-20)। विश्वासयोग्य फिलाडेल्फिया वाला लोग (प्रकाशितवाक्य 3:7-13) घोषणा करत होई कि परमेश्वर के हजार साल के राज जल्दिये आवे वाला बा।

एहसे शायद मीडिया में बहुत चरचा होई आ मत्ती 24:14 के पूरा होखे में मदद मिली। हमनी के Continuing Church of God में साहित्य तइयार करत बानी (कई भाषा में),

वेबसाइट में जोड़त बानी, आ ओह 'छोट काम' (तुलना करीं रोमियों 9:28) के तइयारी खातिर दोसर कदम उठावत बानी, जवन एह में मदद करी कि परमेश्वर तय करसु कि मत्ती 24:14 के गवाही के रूप में पर्याप्त पूरा कइल गइल बा आ अब अंत आ सकेला।

'झूठा सुसमाचार' के घोषणा करे वाला दुनिया के नेता लोग (शायद यूरोप के कवनो 'नया' किसिम के शीर्ष नेता आ ओकरा साथे एगो समझौता करे वाला पोप, जे कैथोलिक धर्म के एगो रूप के दावा करी) के ई घोषणा ना नीमन लागी — ऊ लोग ना चाही कि दुनिया जाने कि ऊ लोग असल में का करी (आ शायद ऊ लोग खुद पहिले एह पर विश्वास ना करे, तुलना करीं यशायाह 10:5-7)। ऊ लोग आ/या ओह लोग के समर्थक शायद झूठ-मूठ ई भी सिखाई कि विश्वासयोग्य फिलाडेल्फिया के मसीही लोग आवे वाला मसीह-विरोधी के बारे में एगो चरमपंथी सिद्धांत (सहस्राब्दीवाद) के समर्थन करत बा। ऊ लोग आ/या ओह लोग के अनुयायी फिलाडेल्फिया के विश्वासयोग्य लोग आ Continuing Church of God के खिलाफ जवन भी निंदा करी, ओकरा से सतावट शुरू होई (दानिय्येल 11:29-35; प्रकाशितवाक्य 12:13-15)। एहसे अंत भी आई — यानी महाक्लेश के शुरुआत (मत्ती 24:21; दानिय्येल 11:39; तुलना करीं मत्ती 24:14-15; दानिय्येल 11:31) आ विश्वासयोग्य फिलाडेल्फिया के मसीही लोग खातिर साढ़े तीन साल के सुरक्षा के समय भी (प्रकाशितवाक्य 3:10; 12:14-16)।

पशु आ झूठा भविष्यवक्ता नियंत्रण पावे खातिर बल, आर्थिक दबाव, चिन्ह, झूठा अचरज, हत्या आ दोसर दबाव के इस्तेमाल करी (प्रकाशितवाक्य 13:10-17;16:14; दानिय्येल 7:25; 2 थिस्सलुनीकियों 2:9-10)। मसीही लोग पूछी:

> 10 "हे पवित्र आ सच्चा प्रभु, कब ले? कब रउआ न्याय करब आ धरती पर बसे वाला लोग से हमनी के खून के बदला लेब?" (प्रकाशितवाक्य 6:10)

युग-युग से परमेश्वर के लोग सोचत आ पूछत आइल बा, "यीशु के लवटे में अबहीं केतना देर बा?"

हालाँकि हमनी के दिन या घड़ी ना जानीं जा, फिर भी हमनी के उम्मीद बा कि यीशु 21वाँ सदी में लवटीहें (आ परमेश्वर के हजार साल के राज स्थापित होई), आ ई बहुत शास्त्र के आधार पर बा (जइसे मत्ती 24:4-34; भजन संहिता 90:4; होशे 6:2; लूका 21:7-36; इब्रानियों 1:1-2; 4:4,11; 2 पतरस 3:3-8; 1 थिस्सलुनीकियों 5:4), जेकर कुछ हिस्सा हमनी के अब पूरा होत देखत बानी।

अगर यीशु बीच में ना आवसु, त मनुष्य जाति सब जीवन के मिटा दी:

21 काहेकि ओह घरी अइसन महाक्लेश होई जइसन जगत के शुरू से एह
समय ले ना भइल बा, आ ना कबो होई। 22 आ अगर ऊ दिन घटावल ना
जाइत, त कवनो प्राणी ना बचित; बाकिर चुनल लोग के खातिर ऊ दिन
घटावल जाई। (मत्ती 24:21-22)

29 ओह दिन के क्लेश के तुरंत बाद सूरज अन्हार हो जाई, आ चाँद आपन
इंजोर ना दी; तारा आकाश से गिरी, आ आकाश के शक्ति हिलावल जाई। 30
तब मनुष्य के पुत्र के चिन्ह आकाश में देखाई दी, आ तब धरती के सब कुल
विलाप करी, आ ऊ लोग मनुष्य के पुत्र के आकाश के बादल पर सामर्थ आ
बड़ी महिमा के साथे आवत देखी। 31 आ ऊ आपन स्वर्गदूत लोग के तुरही
के बड़ आवाज के साथे भेजी, आ ऊ लोग ओकर चुनल लोग के चारो दिशा
से, आकाश के एक छोर से दोसरा छोर ले, जुटा ली। (मत्ती 24:29-31)

दुनिया के जरूरत परमेश्वर के राज ह।

राज के राजदूत

राज में रउआ के का भूमिका बा?

अभिये, अगर रउआ एगो सच्चा मसीही बानी, त रउआ के यीशु आ परमेश्वर के राज
के राजदूत होखे के बा। ध्यान दीं कि प्रेरित पौलुस का लिखले:

20 त हमनी के मसीह के राजदूत बानी, मानो परमेश्वर हमनी के जरिए बिनती
करत बाड़ें: हमनी के मसीह के ओर से रउआ लोग से बिनती करत बानी,
परमेश्वर से मेल-मिलाप कर लीं। (2 कुरिन्थियों 5:20)

14 एहसे खड़ा रहीं, आपन कमर में सच के पेटी बाँध के, आ धार्मिकता के
झिलम पहिन के, 15 आ आपन गोड़ में शांति के सुसमाचार के तइयारी के
जूता पहिन के; 16 सबसे बढ़ के, विश्वास के ढाल लेके, जेकरा से रउआ दुष्ट
के सब जलत तीर बुझा सकब। 17 आ उद्धार के टोप लीं, आ आत्मा के
तलवार, जवन परमेश्वर के वचन ह; 18 हर समय आत्मा में हर तरह के प्रार्थना
आ बिनती करत, आ एह खातिर पूरा लगन आ बिनती के साथे सब पवित्र
लोग खातिर जागत रहीं — 19 आ हमरा खातिर भी, कि हमरा बोले के शक्ति
मिले, ताकि हम हिम्मत से आपन मुँह खोल के सुसमाचार के भेद बता सकीं,

> [20] जेकर हम जंजीर में बँधल राजदूत बानी; ताकि हम ओह में हिम्मत से बोलीं, जइसे हमरा के बोले के चाहीं। (इफिसियों 6:14-20)

राजदूत का होला? मेरियम-वेबस्टर के परिभाषा ई बा:

> 1: एगो आधिकारिक दूत; खासकर: सबसे ऊँच दर्जा के एगो राजनयिक अधिकारी जे कवनो विदेशी सरकार या शासक के लगे आपन सरकार या शासक के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में मान्यता प्राप्त होला, या कवनो खास आ अक्सर अस्थायी राजनयिक काम खातिर नियुक्त कइल जाला
>
> 2 क: एगो अधिकृत प्रतिनिधि या संदेशवाहक

अगर रउआ एगो सच्चा मसीही बानी, त रउआ मसीह खातिर एगो आधिकारिक दूत बानी! ध्यान दीं कि प्रेरित पतरस का लिखले:

> [9] बाकिर रउआ लोग एगो चुनल वंश बानी, एगो राजकीय याजक समूह, एगो पवित्र जाति, ओकर आपन खास प्रजा, ताकि रउआ लोग ओकर स्तुति के घोषणा करीं जे रउआ लोग के अन्हार से आपन अद्भुत इंजोर में बोलवले बाड़ें; [10] रउआ लोग जे पहिले कवनो प्रजा ना रहनी, बाकिर अब परमेश्वर के प्रजा बानी, जेकरा पर दया ना भइल रहे, बाकिर अब दया भइल बा। (1 पतरस 2:9-10)

मसीही के रूप में, हमनी के एगो पवित्र जाति के हिस्सा होखे के बा।

अभी कवन जाति पवित्र बा?

ठीक बा, एह दुनिया के कवनो राज त निश्चय ना — बाकिर ऊ लोग आखिरकार मसीह के राज के हिस्सा बन जाई (प्रकाशितवाक्य 11:15)। परमेश्वर के जाति, यानी ओकर राज ही पवित्र बा।

राजदूत के रूप में, हमनी के आम तौर पर एह दुनिया के जाति सभ के सीधा राजनीति में शामिल ना होखीं जा। बाकिर हमनी के अभिये परमेश्वर के जीवन-रास्ता पर जिए के बा (www.ccog.org पर उपलब्ध मुफ्त ई-बुक भी देखीं, नाम: *Christians: Ambassadors for the Kingdom of God, Biblical instructions on living as a Christian*)। अभिये परमेश्वर के जीवन-रास्ता पर जियला से हमनी के बेहतर तरे

सीखत बानी कि परमेश्वर के रास्ता काहे सबसे नीमन बा, ताकि ओकर राज में हमनी के राजा आ याजक बन सकीं आ धरती पर मसीह के साथे राज कर सकीं:

> 5 ओकरा के जे हमनी से प्रेम कइले आ आपन खून से हमनी के पाप धो देले,
> 6 आ हमनी के आपन परमेश्वर आ पिता खातिर राजा आ याजक बनवले,
> ओकर महिमा आ प्रभुता युगानुयुग होखे। आमीन। (प्रकाशितवाक्य 1:5-6)

> 10 आ हमनी के आपन परमेश्वर खातिर राजा आ याजक बनवले; आ हमनी
> के धरती पर राज करब। (प्रकाशितवाक्य 5:10)

राजा आ याजक बने के एगो भविष्य के पहलू ई होई कि जे लोग तब नाशवान रही, ओह लोग के परमेश्वर के रास्ता पर चले के सिखावल जाई:

> 19 काहेकि लोग यरूशलेम में सिय्योन पर बसी; रउआ फेरु ना रोएब। रउआ
> के पुकार सुनते ऊ रउआ पर बहुत अनुग्रह करीहें; जब ऊ ओकरा के सुनी,
> त रउआ के जवाब दी। 20 आ हालाँकि प्रभु रउआ के कष्ट के रोटी आ दुख
> के पानी देत बाड़ें, फिर भी रउआ के शिक्षक फेरु कोना में ना धकेलल जाई,
> बलुक रउआ के आँख रउआ के शिक्षक के देखी। 21 रउआ के कान पाछे
> से एगो शब्द सुनी, जवन कही, “इहे रास्ता ह, एह पर चलीं,” चाहे रउआ
> दाहिने मुड़ीं या बाईं ओर। (यशायाह 30:19-21)

हालाँकि ई हजार साल के राज खातिर भविष्यवाणी ह, बाकिर एह युग में मसीही लोग के सिखावे खातिर तइयार रहे के चाहीं:

> 12 ... एह घरी ले त रउआ लोग के शिक्षक हो जाए के चाहीं रहे, (इब्रानियों
> 5:12)

> 15 बलुक आपन मन में प्रभु परमेश्वर के पवित्र मानीं: आ जे केहू रउआ से
> रउआ के भीतर के आशा के कारण पूछे, ओकरा के नम्रता आ भय के साथे
> जवाब देवे खातिर हमेशा तइयार रहीं: (1 पतरस 3:15, KJV)

बाइबिल देखावेला कि महाक्लेश के शुरू होखे से ठीक पहिले बहुत विश्वासयोग्य मसीही लोग बहुत लोग के शिक्षा दी:

> 33 आ लोग में से जे समझदार बा, ऊ लोग बहुत लोग के शिक्षा दी (दानिय्येल
> 11:33;)

एहसे, अनुग्रह आ ज्ञान में सीखल आ बढ़ल (2 पतरस 3:18) ऊ चीज ह जवन हमनी के अभिये करे के चाहीं। यीशु कहले, "रउआ लोग यरूशलेम में, आ पूरा यहूदिया आ सामरिया में, आ धरती के छोर ले हमार गवाह होखब" (प्रेरितों के काम 1:8)। परमेश्वर के राज में रउआ के भूमिका के एगो हिस्सा ई बा कि रउआ सिखावे में सक्षम होखीं।

आ जे अउरी विश्वासयोग्य, फिलाडेल्फिया के मसीही लोग बा (प्रकाशितवाक्य 3:7-13), ओह लोग खातिर एह में परमेश्वर के हजार साल के राज के शुरू होखे से पहिले ओह महत्वपूर्ण सुसमाचार-गवाही के समर्थन करल भी शामिल बा (तुलना करीं मत्ती 24:14)।

परमेश्वर के राज स्थापित होखे के बाद, परमेश्वर के लोग के इस्तेमाल एगो टूटल-फूटल ग्रह के फेरु ठीक करे में कइल जाई:

> 12 रउआ लोग में से कुछ लोग पुरान उजड़ल जगह के फेरु बनाई; रउआ लोग बहुत पीढ़ी के नींव फेरु खड़ा करब; आ रउआ के नाम पड़ी दरार के मरम्मत करे वाला, आ बसे लायक गली के फेरु बनावे वाला। (यशायाह 58:12)

एह तरे, परमेश्वर के ऊ लोग जे एह युग में परमेश्वर के रास्ता पर जियल, ऊ लोग हजार साल के दौरान एह पुनर्स्थापना के समय में लोग खातिर शहर (आ दोसर जगह) में बसल आसान बना दी।

दुनिया सचमुच एगो बेहतर जगह बन जाई। हमनी के अभिये मसीह के राजदूत होखे के चाहीं, ताकि हमनी के ओकर राज में भी सेवा कर सकीं।

सच्चा सुसमाचार के संदेश बदल देवे वाला बा

यीशु कहले, "अगर रउआ लोग हमार वचन में बनल रहीं, त रउआ लोग सचमुच हमार चेला बानी। 32 आ रउआ लोग सच के जानब, आ सच रउआ लोग के आजाद कर दी" (यूहन्ना 8:31-32)। परमेश्वर के राज के सुसमाचार के सच जानल हमनी के एह दुनिया के झूठा आशा में फँसे से आजाद कर देला। हमनी के हिम्मत से ओह योजना के समर्थन कर सकेनी जवन काम करेले — परमेश्वर के योजना! शैतान पूरा दुनिया के धोखा देले बा (प्रकाशितवाक्य 12:9) आ परमेश्वर के राज ही सच्चा समाधान ह। हमनी के सच खातिर खड़ा होखे आ ओकर पैरवी करे के जरूरत बा (तुलना करीं यूहन्ना 18:37)।

सुसमाचार के संदेश खाली व्यक्तिगत उद्धार से बढ़ के बा। परमेश्वर के राज के नीमन खबर के एह युग में आदमी के बदल देवे के चाहीं:

> [2] आ एह संसार के रूप में मत ढलीं, बलुक आपन मन के नया होखला से बदल जाईं, ताकि रउआ परख सकीं कि परमेश्वर के भला, ग्रहणयोग्य आ सिद्ध इच्छा का ह। (रोमियों 12:2)

सच्चा मसीही लोग परमेश्वर आ दोसर लोग के सेवा करे खातिर बदलल जाला:

> [22] हे सेवक लोग, देह के अनुसार आपन मालिक लोग के हर बात में आज्ञा मानीं, ना कि खाली देखावे खातिर, आदमी के खुश करे वाला जइसन, बलुक मन के सच्चाई से, परमेश्वर के डर मानत। [23] आ जवन कुछ रउआ करीं, मन लगा के करीं, मानो प्रभु खातिर, ना कि आदमी खातिर, [24] ई जानत कि रउआ के प्रभु से मीरास के इनाम मिली; काहेकि रउआ प्रभु मसीह के सेवा करत बानी। (कुलुस्सियों 3:22-24)
>
> [28] एहसे, काहेकि हमनी के एगो अइसन राज पावत बानी जवन हिलावल ना जा सके, आईं हमनी के अनुग्रह पकड़ीं जा, जेकरा से हमनी के आदर आ ईश्वरीय भय के साथे परमेश्वर के ग्रहणयोग्य सेवा कर सकीं जा। (इब्रानियों 12:28)

सच्चा मसीही लोग दुनिया से अलग जियेला। सही आ गलत के मामला में हमनी के दुनिया के मानक से ऊपर परमेश्वर के मानक के मानीं जा। धर्मी लोग विश्वास से जियेला (इब्रानियों 10:38), काहेकि एह युग में परमेश्वर के रास्ता पर जिए खातिर विश्वास चाहीं। मसीही लोग के ओह दुनिया से एतना अलग मानल जात रहे जेह में ऊ लोग जियत रहे, कि नया नियम में ओह लोग के जीवन-शैली के "ई रास्ता" कहल गइल बा (प्रेरितों के काम 9:2; 19:9; 24:14,22)। दुनिया स्वार्थ से जियेले, शैतान के बस में धोखा खाइल, ओह में जेकरा के "कैन के रास्ता" कहल गइल बा (यहूदा 11)।

परमेश्वर के राज के सुसमाचार धार्मिकता, आनंद आ शांति के संदेश ह (रोमियों 14:17)। भविष्यवाणी के वचन, अगर ठीक से समझल जाव, त सांत्वना देवे वाला बा (तुलना करीं 1 कुरिन्थियों 14:3; 1 थिस्सलुनीकियों 4:18), खासकर जब हमनी के दुनिया के टूटत देखत बानी (तुलना करीं लूका 21:8-36)। सच्चा मसीही जीवन-शैली आध्यात्मिक बहुतायत आ शारीरिक आशीष के ओर ले जाला (मरकुस 10:29-30)।

एहीसे जे लोग ओकरा के जियेला, ऊ लोग समझेला कि दुनिया के परमेश्वर के राज के जरूरत बा। मसीही लोग परमेश्वर के राज के राजदूत ह।

मसीही लोग आपन आशा आध्यात्मिक चीज में राखेला, भौतिक में ना, हालाँकि हमनी के एगो भौतिक दुनिया में जियत बानी (रोमियों 8:5-8)। हमनी के लगे "सुसमाचार के आशा" बा (कुलुस्सियों 1:23)। ई ऊ चीज ह जेकरा के शुरुआती मसीही लोग समझत रहे, बाकिर आज यीशु के माने के दावा करे वाला बहुत लोग सचमुच नइखे समझत।

6. यूनानी-रोमी कलीसिया सिखावेली कि राज महत्वपूर्ण बा, बाकिर...

यूनानी-रोमी कलीसिया मानेले कि ऊ लोग परमेश्वर के राज के पहलू सिखावेला, बाकिर ओह लोग के सचमुच समझे में दिक्कत होला कि ऊ असल में का ह। जइसे, The Catholic Encyclopedia राज के बारे में ई सिखावेला:

> मसीह के ... ओकर शिक्षा के हर चरण में एह राज के आगमन, एकर तरह-तरह के पहलू, एकर सटीक मतलब, आ एकरा के पावे के तरीका ओकर प्रवचन के मुख्य विषय बा, एतना कि ओकर प्रवचन के "राज के सुसमाचार" कहल जाला...ऊ लोग कलीसिया के "परमेश्वर के राज" कहे लागल; तुलना करीं Col., I, 13; I Thess., ii, 12; Apoc., I, 6, 9; v, 10, इत्यादि। ...एकर मतलब बा कलीसिया, एगो ईश्वरीय संस्था के रूप में ... (Pope H. Kingdom of God. The Catholic Encyclopedia, Volume VIII. 1910)

हालाँकि ऊपर के बात "Col., I, 13; I Thess., ii, 12; Apoc., I, 6, 9; v, 10" के ओर इशारा करेले, बाकिर अगर रउआ ओकरा के देखब, त पाएब कि ओह में से एक्को आयत ई ना कहेले कि **कलीसिया ही परमेश्वर के राज ह**। ऊ सिखावेले कि विश्वासी लोग परमेश्वर के राज के हिस्सा होई या कि ई यीशु के राज ह। बाइबिल चेतावनी देले कि बहुत लोग सुसमाचार के बदल दी या कवनो दोसर, झूठा सुसमाचार के ओर मुड़ जाई (गलातियों 1:3-9)। दुख के बात बा कि कई लोग ठीक इहे कइले बा।

यीशु सिखवले, "हम ही रास्ता, सच आ जीवन बानी। हमरा बिना केहू पिता के लगे ना आ सके" (यूहन्ना 14:6)। पतरस सिखवले, "आ केहू दोसरा में उद्धार नइखे, काहेकि स्वर्ग के नीचे आदमी लोग के बीच कवनो दोसर नाम नइखे दिहल गइल जेकरा से हमनी के उद्धार हो सके" (प्रेरितों के काम 4:12)। पतरस यहूदी लोग से कहले कि उद्धार पावे खातिर सब के मन फिरावे आ यीशु के स्वीकार करे के विश्वास होखे के चाहीं (प्रेरितों के काम 2:38)।

एकरा उलट, दिवंगत पोप फ्रांसिस ई सिखवले कि नास्तिक लोग, यीशु के बिना, नीमन काम से उद्धार पा सकेला! ऊ ई भी सिखावेलें कि यहूदी लोग यीशु के स्वीकार कइले बिना उद्धार पा सकेला! एकरा अलावा, ऊ आ कुछ यूनानी-रोमी लोग ई भी मानत लागेला कि 'मरियम' के एगो गैर-बाइबिली रूप सुसमाचार के कुंजी ह, आ साथ ही सर्वचर्च आ अंतरधार्मिक एकता के भी कुंजी ह। दुख के बात बा कि ऊ लोग आ दोसर

लोग ना त यीशु के महत्व समझेला आ ना परमेश्वर के राज के सच्चा सुसमाचार के। बहुत लोग झूठा सुसमाचार के बढ़ावा देत बा।

बहुत लोग देखला के भरोसे चले आ दुनिया पर विश्वास करे के चाहेला। नया नियम सिखावेला कि मसीही लोग के ऊपर के ओर देखे के चाहीं:

> [2] आपन मन ऊपर के चीज पर लगाईं, धरती के चीज पर ना। (कुलुस्सियों 3:2)

> [7] काहेकि हमनी के विश्वास से चलेनी, देखला से ना। (2 कुरिन्थियों 5:7)

फिर भी, पोप पायस ग्यारहवाँ मूल रूप से ई सिखवले कि आपन कलीसिया के देखला के भरोसे चलल जाव:

> ... कैथोलिक कलीसिया ... धरती पर मसीह के राज ह। (पायस के विश्वपत्र Quas Primas)।

CatholicBible101 वेबसाइट दावा करेले, "परमेश्वर के राज धरती पर यीशु मसीह द्वारा 33 ई. में, ओकर कलीसिया के रूप में स्थापित कइल गइल, जेकर अगुवाई पतरस कइले...यानी कैथोलिक कलीसिया।" बाकिर परमेश्वर के हजार साल के राज ना त एहिजा बा आ ना ऊ रोम के कलीसिया ह। जब ऊ आई, त ऊ धरती पर होई। हालाँकि सच्चा Church of God लगे "राज के कुंजी" बा (मत्ती 16:19), बाकिर जे लोग दावा करेला कि कवनो कलीसिया ही परमेश्वर के राज ह, ऊ लोग "ज्ञान के कुंजी छीन लेले बा" (लूका 11:52)।

रोम के कलीसिया जल्दिये आवे वाला धरती पर के हजार साल के परमेश्वर के राज के खिलाफ एतना जोर से सिखावेले कि ई मूल रूप से ओकर आधिकारिक Catechism of the Catholic Church में सूचीबद्ध एकमात्र "मसीह-विरोधी के सिद्धांत" ह:

> **676** मसीह-विरोधी के धोखा दुनिया में हर ओह घरी आकार लेवे लागेला जब ई दावा कइल जाला कि ऊ मसीहाई आशा के इतिहास के भीतर पूरा कइल जा सकेला, जवन असल में खाली इतिहास के परे, अंतिम न्याय के जरिए पूरा हो सकेले। कलीसिया आवे वाला राज के एह मिथ्याकरण के, जेकरा के सहस्राब्दीवाद के नाम से जानल जाला, ओकर बदलल रूप के भी ठुकरा देले बा ... (Catechism of the Catholic Church. Imprimatur Potest +Joseph Cardinal Ratzinger. Doubleday, NY 1995, p. 194)

दुख के बात बा कि जे लोग एह स्थिति से सहमत बा, ओह लोग के अंत में परमेश्वर के राज के सुसमाचार के घोषणा से बड़ दिक्कत होई। कुछ लोग एकर घोषणा करे वाला लोग के खिलाफ भयानक कदम उठाई (दानिय्येल 7:25; 11:30-36)। बाकिर रउआ सोचत होखब कि का ऊ सब लोग राज में ना होई जे यीशु के प्रभु माने के दावा करेला? ना, ऊ लोग ना होई। ध्यान दीं कि यीशु का कहले:

> 21 “जे हमरा से कहेला, ‘हे प्रभु, हे प्रभु,’ ओह में से हर केहू स्वर्ग के राज में
> ना जाई, बलुक ऊ जे हमार स्वर्गीय पिता के इच्छा पूरा करेला। 22 ओह दिन
> बहुत लोग हमरा से कही, ‘हे प्रभु, हे प्रभु, का हमनी के रउआ के नाम से
> भविष्यवाणी ना कइनी जा, रउआ के नाम से दुष्टात्मा ना निकलनी जा, आ
> रउआ के नाम से बहुत अचरज के काम ना कइनी जा?’ 23 आ तब हम ओह
> लोग से साफ कह देब, ‘हम रउआ लोग के कबो ना जनले रहनी; हमरा लगे
> से चल जाईं, हे व्यवस्था तोड़े वाला लोग!’ (मत्ती 7:21-23)

प्रेरित पौलुस ई बतवले कि “व्यवस्था-विरोध के भेद” ओकर जमाना में “पहिलहीं काम कर रहल रहे” (2 थिस्सलुनीकियों 2:7)। ई व्यवस्था-विरोध ओह चीज से भी जुड़ल बा जेकरा खिलाफ बाइबिल अंतिम समय में चेतावनी देले, जेकरा के “भेद, बड़ बेबीलोन” कहल गइल बा (प्रकाशितवाक्य 17:3-5)।

“व्यवस्था-विरोध के भेद” ओह दावा करे वाला मसीही लोग से जुड़ल बा जे मानेला कि ओह लोग के परमेश्वर के दस आज्ञा वाला व्यवस्था इत्यादि के माने के कोशिश करे के जरूरत नइखे, आ/या एह में एतना ग्रहणयोग्य अपवाद बा, आ/या परमेश्वर के व्यवस्था तोड़ला पर प्रायश्चित के ग्रहणयोग्य रूप बा — एहसे ऊ लोग सोचेला कि ओह लोग के लगे परमेश्वर के व्यवस्था के एगो रूप बा, बाकिर ऊ लोग मसीहियत के अइसन रूप नइखे मानत जेकरा के यीशु या ओकर प्रेरित लोग वैध मानित।

मसीहियत के दावा करे वाला बहुत लोग ओह फरीसी लोग जइसन बा जे परमेश्वर के आज्ञा तोड़त रहे, बाकिर दावा करत रहे कि ओह लोग के परंपरा एकरा के ठीक बना देला — यीशु ओह रवैया के निंदा कइले (मत्ती 15:3-9)! यशायाह भी चेतावनी देले कि परमेश्वर के होखे के दावा करे वाला लोग ओकर व्यवस्था के खिलाफ बगावत करी (यशायाह 30:9)। दुख के बात बा कि ई व्यवस्था-विरोधी बगावत आज ले हमनी के देखत बानी।

एगो दोसर “भेद” ई लागेला कि रोम के कलीसिया मानत बा कि ओकर उग्र सर्वचर्च आ अंतरधार्मिक एजेंडा शांति आ धरती पर परमेश्वर के राज के एगो गैर-बाइबिली

रूप ले आई। शास्त्र एगो आवे वाला सर्वचर्च एकता के खिलाफ चेतावनी देला आ सिखावेला कि ऊ कुछ साल खातिर सफल होई (ध्यान दीं: एहिजा न्यू जेरूसलम बाइबिल, एगो रोमन कैथोलिक-अनुमोदित अनुवाद, देखावल गइल बा):

> 4 ऊ लोग अजगर के सामने दंडवत कइल, काहेकि ऊ पशु के आपन अधिकार देले रहे; आ ऊ लोग पशु के सामने दंडवत करत कहल, 'पशु के बराबरी के कर सकेला? एकरा से के लड़ सकेला?' 5 पशु के छूट दिहल गइल कि ऊ आपन डींग आ निंदा के बात बोले आ बयालीस महीना ले सक्रिय रहे; 6 आ ऊ परमेश्वर के खिलाफ, ओकर नाम के खिलाफ, ओकर स्वर्गीय डेरा आ ओहिजा शरण लेवे वाला सब लोग के खिलाफ निंदा के बात बोलल; 7 ओकरा के पवित्र लोग से लड़ाई करे आ ओह लोग के जीते के छूट दिहल गइल, आ हर वंश, लोग, भाषा आ जाति पर अधिकार दिहल गइल; 8 आ दुनिया के सब लोग ओकर पूजा करी, यानी ऊ हर केहू जेकर नाम जगत के नींव पड़े से ही बलिदान कइल मेमना के जीवन के किताब में ना लिखल गइल बा। 9 जेकरा सुने के कान बा, ऊ सुन ले: 10 जे कैद खातिर बा, ऊ कैद में जाई; जे तलवार से मरे खातिर बा, ऊ तलवार से मरी। एहीसे पवित्र लोग के धीरज आ विश्वास होखे के चाहीं। (प्रकाशितवाक्य 13:4-10, NJB)

बाइबिल अंतिम समय के बेबीलोनी एकता के खिलाफ चेतावनी देले:

> 1 ओह सात स्वर्गदूत में से एगो, जेकरा लगे सात कटोरा रहे, हमरा से बतियावे आइल आ कहल, 'एहिजा आवऽ आ हम तोहरा के ओह बड़ वेश्या के दंड देखाइब जे ढेर पानी के किनारे सिंहासन पर बइठल बा, 2 जेकरा साथे धरती के सब राजा व्यभिचार कइले बा, आ जे दुनिया के सब लोग के आपन व्यभिचार के दाखरस से मतवाला कर देले बा।' 3 ऊ हमरा के आत्मा में एगो मरुभूमि में ले गइल, आ ओहिजा हम एगो मेहरारू के देखनी जे एगो लाल रंग के पशु पर सवार रहे, जेकर सात माथा आ दस सींग रहे आ ओकरा पर चारो ओर निंदा के नाम लिखल रहे। 4 ऊ मेहरारू बैंगनी आ लाल रंग के कपड़ा पहिनले रहे आ सोना, रत्न आ मोती से चमकत रहे, आ ऊ हाथ में सोना के एगो कटोरा लेले रहे जवन ओकर व्यभिचार के घिनौना गंदगी से भरल रहे; 5 **ओकर माथा पर एगो नाम लिखल रहे, एगो भेद भरल नाम: 'बड़ बेबीलोन, धरती के सब वेश्या आ सब घिनौना काम के महतारी।'** 6 हम देखनी कि ऊ मतवाली रहे, पवित्र लोग के खून से आ यीशु के गवाह

लोग के खून से मतवाली; आ जब हम ओकरा के देखनी, त हम पूरा तरे चकित रह गइनी। (प्रकाशितवाक्य 17:1-6, NJB)

9 'एह खातिर बुद्धि चाहीं। **ऊ सात माथा सात पहाड़ी ह**, जेकरा पर ऊ मेहरारू बइठल बा . . . 18 ऊ मेहरारू जेकरा के तूँ देखलऽ, ऊ **बड़ नगर ह जेकर अधिकार धरती के सब शासक पर बा**।' (प्रकाशितवाक्य 17:9,18, NJB)

1 एकरा बाद हम एगो दोसर स्वर्गदूत के स्वर्ग से उतरत देखनी, जेकरा के बड़ अधिकार दिहल गइल रहे; धरती ओकर महिमा से चमक उठल। 2 ऊ पूरा आवाज में चिल्लाइल, 'बेबीलोन गिर गइल, **बड़ बेबीलोन गिर गइल**, आ ऊ दुष्टात्मा के अड्डा आ हर अशुद्ध आत्मा आ गंदा, घिनौना चिरई के ठिकाना बन गइल। 3 सब जाति ओकर व्यभिचार के दाखरस भरपूर पीले बा; धरती के हर राजा ओकरा साथे व्यभिचार कइले बा, आ हर व्यापारी ओकर विलासिता से धनी हो गइल बा।' 4 स्वर्ग से एगो दोसर आवाज बोलल; हम ओकरा के ई कहत सुननी, '**हे हमार लोग, ओकरा से निकल आवऽ, ताकि तूँ ओकर पाप में हिस्सेदार मत होखऽ आ ओहीं विपत्ति मत झेलऽ।** 5 ओकर पाप आकाश ले पहुँच गइल बा, आ परमेश्वर के ओकर अपराध याद बा: ओकरा साथे ओइसने बरताव करऽ जइसन ऊ दोसरा साथे कइले बा। 6 जेतना ऊ वसूलले बा, ओकरा के ओकर दुगुना चुकावे के पड़ी। ओकरा के ओकरे मिश्रण के दुगुना गाढ़ कटोरा मिली। 7 ओकर हर ठाठ आ रंगरेली के बदला में एगो यातना या पीड़ा मिली। ऊ सोचेले, हम रानी बन के सिंहासन पर बइठल बानी; हम विधवा नइखीं आ कबो शोक ना जानब। 8 एहसे, एके दिन में ओकरा पर विपत्ति आ पड़ी: बेमारी, शोक आ अकाल। ऊ जरा के राख कर दिहल जाई। प्रभु परमेश्वर, जे ओकरा के दोषी ठहरवले बाड़ें, सामर्थी बाड़ें।' 9 'धरती के ऊ राजा लोग ओकरा खातिर शोक करी आ रोई जे ओकरा साथे व्यभिचार कइले आ ओकरा साथे रंगरेली मनवले। ऊ लोग ओकरा जरत घरी के धुआँ देखी, (प्रकाशितवाक्य 18:1-9, NJB)

जकर्याह में बाइबिल एगो आवे वाला बेबीलोन के खिलाफ चेतावनी देले आ देखावेला कि सही एकता तब ले ना होई जब ले यीशु ना लवटीहें:

10 सावधान! सावधान! उत्तर के देश से भाग जाईं — याहवे कहत बाड़ें — काहेकि हम रउआ लोग के आकाश के चारो दिशा में बिखरा देले बानी —

याहवे कहत बाड़ें। 11 सावधान! **हे सिय्योन, जे अब बेबीलोन के बेटी के साथे रहत बाड़ऽ**, भाग निकलऽ!

12 काहेकि याहवे सबाओत ई कहत बाड़ें, काहेकि महिमा हमरा के

भेजले बा, ओह जाति सभ के बारे में जे रउआ के लूटले रहे, 'जे रउआ के छूवेला, ऊ हमार आँख के पुतली के छूवेला। 13 अब देखीं, हम ओह लोग पर आपन हाथ हिलाएब आ ऊ लोग ओहीं लोग के हाथे लूटल जाई जेकरा के ऊ लोग गुलाम बनवले रहे।' तब रउआ जान लेब कि याहवे सबाओत हमरा के भेजले बाड़ें! 14 हे सिय्योन के बेटी, गाईं, आनंद मनाईं, काहेकि अब हम रउआ लोग के बीच रहे आवत बानी — याहवे कहत बाड़ें! 15 आ ओह दिन बहुत जाति याहवे के ओर फिर जाई। हँ, ऊ लोग ओकर प्रजा बन जाई, आ रउआ लोग के बीच रही। तब रउआ जान लेब कि याहवे सबाओत हमरा के रउआ लगे भेजले बाड़ें! 16 याहवे यहूदा के, यानी पवित्र देश में आपन हिस्सा के, अधिकार में ले लीहें, आ फेरु से यरूशलेम के आपन चुनाव बनाईहें। (जकर्याह 2:10-16, NJB; ध्यान दीं कि KJV/NKJV संस्करण में ई आयत जकर्याह 2:6-12 के रूप में बा)

हालाँकि कुछ मामला में सहयोग नीमन हो सकेला, बाकिर संयुक्त राष्ट्र, वेटिकन, बहुत प्रोटेस्टेंट आ पूर्वी रूढ़िवादी नेता लोग जवन सर्वचर्च आ अंतरधार्मिक आंदोलन के बढ़ावा देत बा, ओकर कई पहलू के बाइबिल साफ तौर पर निंदा करेले आ ओकरा के बढ़ावा ना देवे के चाहीं। यीशु ओह लोग के बारे में चेतावनी देले जे ओकरा पाछे चले के दावा करी आ "बहुत लोग के धोखा दी" (मत्ती 24:4-5)। बहुत सर्वचर्चवाद प्रकाशितवाक्य 6:1-2 के पहिला मुहर के खुलला से जुड़ल बा, जेकरा के प्रकाशितवाक्य के "उज्जर घोड़ा के सवार" भी कहल जाला (जे यीशु नइखे) आ प्रकाशितवाक्य 17 के वेश्या से भी।

जकर्याह जइसन, प्रेरित पौलुस भी सिखवले कि विश्वास के सच्चा एकता तब ले ना होई जब ले यीशु ना लवटीहें:

13 जब ले हमनी के सब विश्वास आ परमेश्वर के पुत्र के ज्ञान में एकता ना पा लीं जा आ सिद्ध मनुष्य ना बन जाईं जा, यानी मसीह के भरपूरी से पूरा तरे परिपक्व। (इफिसियों 4:13, NJB)

जे लोग मानेला कि ई एकता यीशु के लवटला से पहिले आ जाई, ऊ लोग गलती पर बा। असल में, जब यीशु लवटीहें, त ओकरा ओह जाति सभ के एकता के नाश करे के पड़ी जे ओकरा खिलाफ जुटी:

> 11:15 तब सातवाँ स्वर्गदूत आपन तुरही बजवले, आ स्वर्ग में आवाज सुनाई पड़ल जवन चिल्ला के कहत रहे, 'दुनिया के राज हमनी के प्रभु आ ओकर मसीह के राज बन गइल बा, आ ऊ युगानुयुग राज करीहें।' 16 चौबीस पुरनिया, जे परमेश्वर के सामने सिंहासन पर बइठल रहे, दंडवत कइल आ माथा जमीन से छुआ के परमेश्वर के आराधना कइल 17 आ ई कहल, 'हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, जे बाड़ें आ जे रहलें, हमनी के रउआ के धन्यवाद देत बानी कि रउआ आपन बड़ सामर्थ अपना हाथ में लेके आपन राज शुरू कइनी। 18 जाति सभ में हलचल रहे आ अब रउआ के बदला लेवे के समय आ गइल बा, आ मुरदा के न्याय के, आ रउआ के सेवक भविष्यवक्ता लोग के, पवित्र लोग के आ रउआ के नाम के डर माने वाला लोग के, छोट आ बड़ दुनु के इनाम देवे के। ओह लोग के नाश करे के समय आ गइल बा जे धरती के नाश करत बा।' (प्रकाशितवाक्य 11:15-18, NJB)

> 19:6 आ हम अइसन आवाज सुननी जइसे एगो बड़ी भीड़ के आवाज होखे, समुंदर के गरज या बादल के भारी गड़गड़ाहट जइसन, जवन जवाब देत रहे, 'हल्लिलूयाह! हमनी के सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर के शासन शुरू हो गइल बा; . . . 19 तब हम पशु के देखनी, आ ओकरा साथे धरती के सब राजा आ ओह लोग के सेना, जे ओह सवार आ ओकर सेना से लड़े खातिर जुटल रहे। 20 बाकिर पशु पकड़ल गइल, आ ओकरा साथे ऊ झूठा भविष्यवक्ता भी, जे पशु के ओर से चमत्कार कइले रहे आ ओकरा से ओह लोग के धोखा देले रहे जे पशु के छाप स्वीकार कइले रहे आ ओकर मूरत के पूजा कइले रहे। ई दुनु जिंदा जरत गंधक के आग के झील में फेंकल गइल। 21 बाकी सब लोग ओह सवार के तलवार से मारल गइल, जवन ओकर मुँह से निकलत रहे, आ सब चिरई ओह लोग के मांस से अघा गइल . . . 20:4 तब हम सिंहासन देखनी, जहाँ ऊ लोग बइठल, आ ओह लोग के न्याय करे के अधिकार दिहल गइल। हम ओह सब लोग के आत्मा देखनी जेकर सिर यीशु के गवाही देवे आ परमेश्वर के वचन के प्रचार करे के चलते काट दिहल गइल रहे, आ ऊ लोग जे पशु या ओकर मूरत के पूजा करे से इनकार कइले रहे आ आपन माथा या हाथ पर छाप लेवे से मना कइले रहे; ऊ लोग जिंदा भइल, आ मसीह

के साथे हजार साल ले राज कइल। (प्रकाशितवाक्य 19:6,19-21; 20:4, NJB)

ध्यान दीं कि यीशु के ओह दुनिया के सेना के नाश करे के पड़ी जे ओकरा खिलाफ एक हो जाई। तब ऊ आ पहिला पुनरुत्थान के पवित्र लोग राज करी। तबे विश्वास के सही एकता होई। दुख के बात बा कि बहुत लोग ओह झूठा सेवक लोग के सुनी जे नीमन लागेला, बाकिर बा ना, जइसन प्रेरित पौलुस चेतावनी देले रहलें (2 कुरिन्थियों 11:14-15)। अगर अउरी लोग सचमुच बाइबिल आ परमेश्वर के राज के सुसमाचार के समझित, त यीशु के वापसी पर ओकरा खिलाफ कम लोग लड़ित।

7. परमेश्वर के राज काहे?

हालाँकि आदमी सोचल पसंद करेला कि ऊ बहुत होशियार बा, बाकिर हमनी के समझ के सीमा बा, जबकि परमेश्वर के "समझ अनंत बा" (भजन संहिता 147:5)।

एहीसे एह ग्रह के ठीक करे खातिर परमेश्वर के हस्तक्षेप जरूरी होई।

हालाँकि बहुत लोग परमेश्वर पर विश्वास करेला, बाकिर ज्यादातर आदमी ऊ करे खातिर तइयार नइखे जवन ऊ कहेलें, आ ओइसन जिए खातिर जइसन ऊ सचमुच बतावेलें। ई बात पर ध्यान दीं:

> [8] हे आदमी, ऊ तोहरा के बता देले बाड़ें कि का नीमन बा; आ प्रभु तोहरा से का चाहेलें, सिवाय एकरा कि तूँ न्याय करऽ, दया से प्रेम करऽ, आ आपन परमेश्वर के साथे नम्रता से चलऽ? (मीका 6:8)

परमेश्वर के साथे नम्रता से चलल ऊ चीज नइखे जेकरा खातिर मनुष्य जाति सचमुच तइयार रहल बा। आदम आ हव्वा के समय से (उत्पत्ति 3:1-6), आदमी परमेश्वर के आज्ञा (निर्गमन 20:3-17) के बावजूद परमेश्वर से ऊपर अपना पर आ आपन प्राथमिकता पर भरोसा करे के चुनले बा।

नीतिवचन के किताब सिखावेला:

> [5] आपन पूरा मन से प्रभु पर भरोसा करऽ, आ आपन ही समझ पर मत टेकऽ; [6] आपन सब रास्ता में ओकरा के मानऽ, आ ऊ तोहार पथ सीधा करी। [7] आपन नजर में बुद्धिमान मत बनऽ; प्रभु के डर मानऽ आ बुराई से दूर रहऽ। (नीतिवचन 3:5-7)

फिर भी, ज्यादातर लोग सचमुच आपन पूरा मन से परमेश्वर पर भरोसा ना करी आ ना एह बात के बाट जोही कि ऊ ओह लोग के डेग सीधा करसु। बहुत लोग कहेला कि ऊ लोग ऊहे करी जवन परमेश्वर चाहेलें, बाकिर करेला ना। मनुष्य जाति के शैतान धोखा देले बा (प्रकाशितवाक्य 12:9) आ ऊ दुनिया के अभिलाषा आ 'जीवन के घमंड' में फँस गइल बा (1 यूहन्ना 2:16)।

एहसे, बहुत लोग आपन धार्मिक परंपरा आ धर्मनिरपेक्ष सरकार गढ़ लेले बा, काहेकि ऊ लोग सोचेला कि ऊ लोग सबसे नीमन जानेला। बाकिर ऊ लोग ना जानेला (तुलना करीं यिर्मयाह 10:23), आ ना ज्यादातर लोग सचमुच मन फिराई।

एहीसे मनुष्य जाति के परमेश्वर के राज के जरूरत बा (तुलना करीं मत्ती 24:21-22)।

आशीष के बात पर विचार करीं

यीशु के सबसे जानल-मानल बयान में से एगो ऊ आशीष के बात रहे, जेकरा के ऊ आपन *पहाड़ी उपदेश* में देले रहलें।

ध्यान दीं कि ऊ का कहले:

> 3 “धन्य बा ऊ लोग जे आत्मा में दीन बा, काहेकि स्वर्ग के राज ओह लोग के ह। 4 धन्य बा ऊ लोग जे शोक करेला, काहेकि ओह लोग के सांत्वना मिली। 5 धन्य बा नम्र लोग, काहेकि ऊ लोग धरती के अधिकारी होई। 6 धन्य बा ऊ लोग जे धार्मिकता के भूखल-पियासल बा, काहेकि ऊ लोग तृप्त कइल जाई। 7 धन्य बा दयालु लोग, काहेकि ओह लोग पर दया होई। 8 धन्य बा ऊ लोग जेकर मन शुद्ध बा, काहेकि ऊ लोग परमेश्वर के देखी। 9 धन्य बा शांति करावे वाला लोग, काहेकि ऊ लोग परमेश्वर के संतान कहाई। 10 धन्य बा ऊ लोग जे धार्मिकता खातिर सतावल जाला, काहेकि स्वर्ग के राज ओह लोग के ह। (मत्ती 5:3-10)

ई आशीष के वादा परमेश्वर के राज में ही पूरा होई (तुलना करीं मरकुस 4:30-31), जेकरा के मत्ती अक्सर स्वर्ग के राज कहेलें (तुलना करीं मत्ती 13:31)। परमेश्वर के राज में ही ई वादा पूरा होई कि नम्र लोग धरती के अधिकारी होई आ शुद्ध मन वाला लोग परमेश्वर के देखी। परमेश्वर के राज में मिले वाला आशीष के नीमन खबर के बाट जोहीं!

परमेश्वर के रास्ता सही बा

सच ई बा कि परमेश्वर प्रेम ह (1 यूहन्ना 4:8,16) आ परमेश्वर स्वार्थी नइखन। परमेश्वर के व्यवस्था परमेश्वर से प्रेम आ आपन पड़ोसी से प्रेम देखावेले (मरकुस 12:29-31; याकूब 2:8-11)। दुनिया के रास्ता स्वार्थी बा आ ओकर अंत मौत में होला (रोमियों 8:6)।

ध्यान दीं कि बाइबिल देखावेला कि सच्चा मसीही लोग आज्ञा मानेला:

> 1 जे केहू विश्वास करेला कि यीशु ही मसीह ह, ऊ परमेश्वर से जनमल बा, आ जे केहू जनम देवे वाला से प्रेम करेला, ऊ ओकरा से जनमल के भी प्रेम

करेला। [2] एहसे हमनी के जानत बानी कि हमनी के परमेश्वर के संतान से प्रेम करेनी, जब हमनी के परमेश्वर से प्रेम करेनी आ ओकर आज्ञा मानेनी। [3] काहेकि परमेश्वर के प्रेम इहे ह कि हमनी के ओकर आज्ञा मानीं जा। आ ओकर आज्ञा बोझ नइखे। (1 यूहन्ना 5:1-3)

परमेश्वर के सब "आज्ञा धार्मिकता ह" (भजन संहिता 119:172)। ओकर रास्ता शुद्ध बा (तीतुस 1:15)। दुख के बात बा कि बहुत लोग "व्यवस्था-विरोध" के तरह-तरह के रूप के अपना लेले बा आ ई नइखे समझत कि यीशु व्यवस्था या भविष्यवक्ता लोग के नाश करे ना अइले रहलें, बलुक ओकरा के पूरा करे (मत्ती 5:17), आ ई ऊ ओकर असली मतलब समझा के आ ओकरा के ओकरा से आगे बढ़ा के कइले जेतना बहुत लोग सोचत रहे (जइसे मत्ती 5:21-28)। यीशु सिखवले कि "जे ओकरा के मानी आ सिखाई, ऊ स्वर्ग के राज में महान कहाई" (मत्ती 5:19) ('परमेश्वर के राज' आ 'स्वर्ग के राज' शब्द एक दोसरा के जगह इस्तेमाल होला)।

बाइबिल सिखावेला कि काम के बिना विश्वास मुरदा ह (याकूब 2:17)। बहुत लोग यीशु के पाछे चले के दावा करेला, बाकिर ओकर शिक्षा पर सचमुच विश्वास ना करी (मत्ती 7:21-23) आ ओकर ओइसन नकल ना करी जइसन करे के चाहीं (तुलना करीं 1 कुरिन्थियों 11:1)। "पाप व्यवस्था के उल्लंघन ह" (1 यूहन्ना 3:4, KJV) आ सब लोग पाप कइले बा (रोमियों 3:23)। बाकिर, बाइबिल देखावेला कि दया न्याय पर जीत पाई (याकूब 2:13), काहेकि परमेश्वर लगे सचमुच सब खातिर एगो योजना बा (तुलना करीं लूका 3:6)।

परमेश्वर के रास्ता के बिना मानवीय समाधान काम ना करी। हजार साल के राज में यीशु "लोहा के छड़ी से" शासन करीहें (प्रकाशितवाक्य 19:15), आ भलाई के जीत होई काहेकि लोग परमेश्वर के रास्ता पर जिई। **दुनिया के सब समस्या एहसे बा काहेकि एह दुनिया के समाज परमेश्वर आ ओकर व्यवस्था के माने से इनकार करेला।** इतिहास देखावेला कि मनुष्य जाति समाज के समस्या के हल करे में सक्षम नइखे:

> [6] काहेकि शारीरिक मन के होखल मौत ह, बाकिर आत्मिक मन के होखल जीवन आ शांति ह। [7] काहेकि शारीरिक मन परमेश्वर से बैर रखेला; ई परमेश्वर के व्यवस्था के अधीन नइखे, आ ना हो सकेला। [8] एहसे जे लोग शरीर में बा, ऊ लोग परमेश्वर के खुश ना कर सके। (रोमियों 8:6-8)

मसीही लोग के आत्मिक चीज पर ध्यान लगावे के बा, आ मन फिरावे आ बपतिस्मा के बाद एह युग में ई करे खातिर ओह लोग के परमेश्वर के आत्मा दिहल जाला (रोमियों 8:9), चाहे हमनी के व्यक्तिगत कमजोरी होखे:

> [26] हे भाई लोग, आपन बोलाहट पर नजर डालीं, कि रउआ लोग में देह के अनुसार बहुत बुद्धिमान, बहुत सामर्थी, बहुत कुलीन लोग ना बोलावल गइल। [27] बाकिर परमेश्वर दुनिया के मूर्ख चीज के चुनले ताकि बुद्धिमान लोग के लजावसु, आ परमेश्वर दुनिया के कमजोर चीज के चुनले ताकि सामर्थी चीज के लजावसु; [28] आ दुनिया के नीच आ तुच्छ मानल चीज के, आ ऊ चीज के जे बा ही ना, परमेश्वर चुनले ताकि ओकरा के मिटा देसु जवन बा, [29] ताकि कवनो प्राणी ओकर सामने घमंड ना करे। [30] बाकिर ओकरे चलते रउआ लोग मसीह यीशु में बानी, जे हमनी खातिर परमेश्वर के ओर से बुद्धि — आ धार्मिकता आ पवित्रता आ छुटकारा — बन गइले, [31] ताकि जइसन लिखल बा, "जे घमंड करे, ऊ प्रभु में घमंड करे।" (1 कुरिन्थियों 1:26-31)

मसीही लोग के परमेश्वर के योजना पर घमंड करे के चाहीं! हमनी के अभिये विश्वास से चलेनी (2 कुरिन्थियों 5:7), आ विश्वास में ऊपर के ओर देखेनी (कुलुस्सियों 3:2; इब्रानियों 11:6)। परमेश्वर के आज्ञा मानला पर हमनी के आशीष मिली (प्रकाशितवाक्य 22:14)।

परमेश्वर के राज के सुसमाचार काहे?

प्रोटेस्टेंट लोग अक्सर ई मानेला कि एक बेर यीशु के उद्धारकर्ता मान लेला के बाद ऊ लोग परमेश्वर के राज के खोज लेले बा। रोमन कैथोलिक लोग मानेला कि जेकर बपतिस्मा भइल बा, चाहे बचपन में ही, ऊ लोग राज के रूप में ओह लोग के कलीसिया में आ गइल बा। रोमन आ पूर्वी रूढ़िवादी कैथोलिक लोग अक्सर सोचेला कि संस्कार इत्यादि के जरिए ऊ लोग परमेश्वर के राज के खोजत बा। हालाँकि मसीही लोग के बपतिस्मा लेवे के चाहीं, बाकिर यूनानी-रोमी-प्रोटेस्टेंट लोग अक्सर मनुष्य जाति के समस्या के हल खातिर दुनिया के ओर देखेला। ओह लोग के ध्यान अक्सर सांसारिक चीज पर रहेला (तुलना करीं रोमियों 8:6-8)।

पहिले परमेश्वर के राज के खोजल (मत्ती 6:33) मसीही लोग खातिर जीवन भर के लक्ष्य होखे के चाहीं। ई लक्ष्य कि समाधान खातिर दुनिया के ओर ना, बलुक परमेश्वर आ ओकर रास्ता के ओर देखल जाव। परमेश्वर के राज के नीमन खबर हमनी के जीवन बदल देला।

बाइबिल कहेले कि मसीही लोग यीशु के साथे शासन करी, बाकिर का रउआ जानत बानी कि एकर मतलब बा कि सच्चा मसीही लोग सचमुच शहर पर शासन करी? यीशु सिखवले:

> 12 “एगो कुलीन आदमी एगो दूर देश गइले ताकि आपन खातिर राजपद
> पावसु आ लवट आवसु। 13 एहसे ऊ आपन दस गो सेवक के बोलवले, ओह
> लोग के दस मीना देले, आ ओह लोग से कहले, ‘हमरा आवे ले एहसे व्यापार
> करऽ।’ 14 बाकिर ओकर नगरवासी ओकरा से बैर रखत रहे, आ ओकरा
> पाछे एगो दूत मंडली भेजल आ कहल, ‘हमनी के ना चाहीं कि ई आदमी
> हमनी पर राज करे।’
>
> 15 “आ अइसन भइल कि जब ऊ राजपद पाके
>
> लवट अइले, त ऊ ओह सेवक लोग के, जेकरा के ऊ पइसा देले रहलें, आपन
> लगे बोलावे के आदेश देले, ताकि ऊ जान सकसु कि हर एक व्यापार से
> केतना कमइले बा। 16 तब पहिला आइल आ कहल, ‘हे स्वामी, रउआ के
> मीना दस मीना कमइले बा।’ 17 आ ऊ ओकरा से कहले, ‘शाबाश, नीमन
> सेवक; काहेकि तूँ बहुत थोड़ में विश्वासयोग्य रहलऽ, त दस शहर पर
> अधिकार रखऽ।’ 18 आ दुसरका आइल आ कहल, ‘हे स्वामी, रउआ के मीना
> पाँच मीना कमइले बा।’ 19 ओइसहीं ऊ ओकरा से कहले, ‘तूँ भी पाँच शहर
> पर रहऽ।’ (लूका 19:12-19)

अभिये रउआ लगे जवन थोड़ बा, ओह में विश्वासयोग्य रहीं। मसीही लोग के मौका मिली कि ऊ लोग असली राज में असली शहर पर शासन करे। यीशु ई भी कहले, “हमार इनाम हमरा साथे बा, कि हम हर एक के ओकर काम के अनुसार देब” (प्रकाशितवाक्य 22:12)। परमेश्वर लगे ओह लोग खातिर एगो योजना (अय्यूब 14:15) आ एगो जगह (यूहन्ना 14:2) बा जे सचमुच ओकरा के जवाब दी (यूहन्ना 6:44; प्रकाशितवाक्य 17:14)। परमेश्वर के राज असली बा आ रउआ ओकर हिस्सा बन सकेनी!

2016 के शुरू में Science पत्रिका में एगो लेख छपल रहे जेकर नाम रहे “The power of crowds,” जेह में बतावल गइल रहे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आ भीड़-स्रोत मनुष्य जाति के सामने खड़ा ‘दुष्ट समस्या’ के हल कर सकेला। बाकिर ऊ लेख ई ना समझ पवले कि दुष्टता का ह, ओकर हल त दूर के बात बा। बाद में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कार्यक्रम आइल, बाकिर ओहू से दुनिया के समस्या के हल निश्चय ना भइल।

परमेश्वर के सच्चा रास्ता पर चलले बिना सहयोग 21वाँ सदी में ओतने असफल होई जेतना ऊ बड़ जलप्रलय के बाद भइल रहे, जब मनुष्य जाति मिल के बाबेल के ऊ मीनार बनवले रहे जवन असफल हो गइल (उत्पत्ति 11:1-9)।

दुनिया के समस्या, जइसे मध्य पूरब जइसन जगह में (चाहे कुछ अस्थायी लाभ के उम्मीद होखे, जइसे दानिय्येल 9:27क; 1 थिस्सलुनीकियों 5:3), आदमी के हाथे हल ना होई — हमनी के परमेश्वर के राज के शांति चाहीं (रोमियों 14:17)।

अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के समस्या, चाहे कुछ लाभ के उम्मीद होखे, संयुक्त राष्ट्र के धोखा खाइल लोग से हल ना होई (तुलना करीं यहेजकेल 21:12; प्रकाशितवाक्य 12:9) — हमनी के परमेश्वर के राज के आनंद आ सांत्वना चाहीं।

पर्यावरण के समस्या अंतरराष्ट्रीय सहयोग से हल ना होई, काहेकि दुनिया के जाति सभ धरती के नाश करे में मदद करी (प्रकाशितवाक्य 11:18), बाकिर ऊ परमेश्वर के राज से हल होई।

यौन अनैतिकता, गर्भपात आ मनुष्य के अंग बेचे के मुद्दा अमेरिका से हल ना होई (तुलना करीं प्रकाशितवाक्य 18:13), बलुक परमेश्वर के राज से होई।

अमेरिका, यूके आ दोसर बहुत देश पर जवन भारी कर्जा बा, ऊ अंतरराष्ट्रीय बातचीत से हल ना होई, बलुक आखिरकार (हबक्कूक 2:6-8 के अनुसार विनाश के बाद) परमेश्वर के राज से हल होई।

अज्ञानता आ गलत शिक्षा संयुक्त राष्ट्र से हल ना होई — हमनी के परमेश्वर के राज चाहीं। धार्मिक कलह कवनो अइसन सर्वचर्च-अंतरधार्मिक आंदोलन से सचमुच हल ना होई जे बाइबिल के सच्चा यीशु के बिना उद्धार पर राजी होखे। दुनिया में असली समस्या पाप ह, आ ओकरा खातिर हमनी के यीशु के बलिदान आ परमेश्वर के राज में ओकर वापसी चाहीं। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान लगे मनुष्य के सेहत के सब जवाब नइखे — हमनी के परमेश्वर के राज चाहीं।

भूख के समस्या आनुवंशिक रूप से बदलल जीव से हल ना होई, जे फसल के भारी नुकसान के आशंका के चलते दुनिया के कुछ हिस्सा के अकाल के खतरा में डालत बा — हमनी के परमेश्वर के राज चाहीं।

अफ्रीका, एशिया आ दोसर जगह के भारी गरीबी, चाहे ऊ कुछ समय खातिर अंतिम समय के 'बेबीलोन' से लाभ पावे (तुलना करीं प्रकाशितवाक्य 18:1-19), गरीबी के

समस्या के हल ना करी — हमनी के परमेश्वर के राज चाहीं। ई विचार कि यीशु के बिना मनुष्य जाति एह 'वर्तमान बुरा युग' में आदर्श लोक ले आ सकेले, एगो झूठा सुसमाचार ह (गलातियों 1:3-10)। हमनी के परमेश्वर के राज चाहीं।

परमेश्वर के राज के हजार साल वाला चरण एगो असली राज ह जवन धरती पर स्थापित होई। ई परमेश्वर के प्रेममय व्यवस्था पर आ एगो प्रेममय परमेश्वर के अगुवाई पर आधारित होई। पवित्र लोग मसीह के साथे हजार साल ले राज करी (प्रकाशितवाक्य 5:10; 20:4-6)। एह राज में ऊ लोग शामिल होई जे सचमुच Church of God में बा, बाकिर कवनो शास्त्र ई ना कहेला कि परमेश्वर के राज असल में कलीसिया ह (चाहे रोमन कैथोलिक होखे या कवनो आउर)। रोम के कलीसिया हजार साल के शिक्षा के विरोध कइले बा, आ आगे चल के जइसे-जइसे अंत नगीचे आई, ऊ बाइबिल के सुसमाचार संदेश के अउरी जोर से विरोध करी। एहसे शायद मीडिया में काफी चरचा होई, जवन मत्ती 24:14 के पूरा करे में मदद कर सकेला।

आपन अंतिम चरण में परमेश्वर के राज में "नया यरूशलेम, जवन परमेश्वर के लगे से स्वर्ग से उतरत बा" शामिल होई (प्रकाशितवाक्य 21:2), आ ओकर बढ़ती के कवनो अंत ना होई। फेरु ना कवनो अधर्म रही, ना शोक, आ ना मौत।

परमेश्वर के राज के सुसमाचार के प्रचार आ ओकर समझ बाइबिल के एगो अहम विषय ह। पुराना नियम के लेखक लोग एकरा बारे में सिखवले। यीशु, पौलुस आ यूहन्ना एकरा बारे में सिखवले। नया नियम के बाहर जवन सबसे पुरान 'मसीही' उपदेश बचल बा, ऊ एकरा बारे में सिखवले। दुसरका सदी के शुरुआती मसीही अगुवा लोग, जइसे पॉलीकार्प आ मेलितो, एकरा बारे में सिखवले। हमनी के Continuing Church of God में आज एकरा बारे में सिखावेनी। याद करीं कि परमेश्वर के राज ही ऊ पहिला विषय ह जेकरा बारे में बाइबिल देखावेला कि यीशु प्रचार कइले (मरकुस 1:14-15)। आ इहे ऊ विषय रहे जेकर प्रचार ऊ आपन पुनरुत्थान के बाद भी कइले (प्रेरितों के काम 1:3) — आ इहे ऊ चीज ह जेकरा के मसीही लोग के पहिले खोजे के चाहीं (मत्ती 6:33)।

सुसमाचार खाली यीशु के जीवन आ मौत के बारे में नइखे। यीशु आ ओकर अनुयायी लोग जवन सुसमाचार सिखवले, ओकर जोर आवे वाला परमेश्वर के राज पर रहे। राज के सुसमाचार में मसीह के जरिए उद्धार शामिल बा, बाकिर एह में मानवीय सरकार सभ के अंत के शिक्षा भी शामिल बा (प्रकाशितवाक्य 11:15)।

याद राखीं, यीशु सिखवले कि अंत तब ले ना आई जब ले राज के सुसमाचार दुनिया में सब जाति के सामने गवाही खातिर प्रचार ना कइल जाव (मत्ती 24:14)। आ ऊ प्रचार अभिये होत बा। का रउआ ओह अंतिम, अंत-समय के काम के समर्थन में हिस्सा लेवे के चाहेब?

नीमन खबर ई बा कि **मनुष्य जाति के सामने खड़ा समस्या के समाधान परमेश्वर के राज ह**। फिर भी, ज्यादातर लोग ना त एकर समर्थन करे के चाहेला, ना एकरा के सुने के, आ ना एकर सच पर विश्वास करे के। परमेश्वर के राज अनंत बा (मत्ती 6:13), जबकि "ई संसार मिटत जात बा" (1 कुरिन्थियों 7:31)।

परमेश्वर के राज के सच्चा सुसमाचार के घोषणा ऊ चीज ह जेकरा के हमनी के Continuing Church of God में गंभीरता से लेत बानी। हमनी के ऊ सब कुछ सिखावे के कोशिश करेनी जवन बाइबिल सिखावेले (मत्ती 28:19-20), जेह में परमेश्वर के राज भी शामिल बा (मत्ती 24:14)। जब ले हमनी के ओह राज के बाट जोहत बानी, तब ले हमनी के परमेश्वर के रास्ता सीखे आ ओह पर चले के जरूरत बा, आ ओह लोग के सांत्वना देवे के जे सच पर विश्वास करे के चाहत बा।

का रउआ के आवे वाला परमेश्वर के राज के सुसमाचार के घोषणा के समर्थन ना करे के चाहीं? का रउआ परमेश्वर के राज के सुसमाचार पर विश्वास करब?

Continuing Church of God

Continuing *Church of God* के अमेरिका के डाक पता बा P.O. Box 109, Grover Beach, California, 93483 USA; वेबसाइट www.ccog.org.

Continuing Church of God (CCOG) के वेबसाइट

CCOG.ASIA ई साइट एशिया पर केंद्रित बा।
CCOG.IN ई साइट भारतीय मूल के लोग खातिर बा।
CCOG.EU ई साइट यूरोप खातिर बा।
CCOG.NZ ई साइट न्यूजीलैंड आ ब्रिटिश मूल के दोसर लोग खातिर बा।
CCOG.ORG ई Continuing Church of God के मुख्य वेबसाइट ह। ई सब महादीप के लोग के सेवा करेले। एह में लेख, लिंक आ वीडियो बा।
CCOGCANADA.CA ई साइट कनाडा के लोग खातिर बा।
CCOGAFRICA.ORG ई साइट अफ्रीका के लोग खातिर बा।
CDLIDD.ES ई Continuing Church of God के स्पेनी भाषा के वेबसाइट ह।
PNIND.PH ई Continuing Church of God के फिलीपींस के वेबसाइट ह। एह में अंग्रेजी आ तागालोग में जानकारी बा।

समाचार आ इतिहास के वेबसाइट

COGWRITER.COM ई वेबसाइट एगो बड़ घोषणा के साधन ह आ एह में समाचार, सिद्धांत, ऐतिहासिक लेख, वीडियो आ भविष्यवाणी के अपडेट बा।
CHURCHHISTORYBOOK.COM ई एगो आसानी से याद रहे वाला वेबसाइट ह जेह में कलीसिया के इतिहास पर लेख आ जानकारी बा।
BIBLENEWSPROPHECY.NET ई अंग्रेजी में एगो ऑनलाइन रेडियो वेबसाइट ह जवन समाचार आ बाइबिल के विषय के कवर करेले। BNPI.NET में कई भाषा बा।

उपदेश आ लघु-उपदेश खातिर YouTube आ BitChute वीडियो चैनल

BibleNewsProphecy चैनल। CCOG के लघु-उपदेश वीडियो।
CCOGAfrica चैनल। अफ्रीकी भाषा में CCOG के संदेश।
CCOG Animations चैनल, मसीही विश्वास के पहलू सिखावे खातिर।
CDLIDDSermones चैनल में स्पेनी भाषा में संदेश बा।
ContinuingCOG चैनल। CCOG के वीडियो उपदेश।

नीचे के फोटो में यरूशलेम के एगो भवन के कुछ बचल-खुचल ईंटा (आ कुछ बाद में जोड़ल ईंटा) देखाई देत बा, जेकरा के कबो-कबो सेनेकल कहल जाला, बाकिर ओकरा के बेहतर तरे यरूशलेम के पच्छिमी पहाड़ी (जेकरा के आज सिय्योन पर्वत कहल जाला) पर के Church of God कहल जा सकेला:



मानल जाला कि ई शायद सबसे पुरान असली मसीही कलीसिया भवन के जगह रहे। एगो अइसन भवन जेह में यीशु के 'परमेश्वर के राज के सुसमाचार' के प्रचार होत रहल होई। ई यरूशलेम के एगो अइसन भवन रहे जहाँ परमेश्वर के राज के सुसमाचार सिखावल जात रहे।

एहीसे हमनी के लगातार परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी, काहेकि...हे भाई लोग, रउआ लोग परमेश्वर के ओह कलीसिया सभ के अनुयायी बन गइनी जे यहूदिया में मसीह यीशु में बा। (1 थिस्सलुनीकियों 2:13-14)

ओह विश्वास खातिर जी-जान से लड़ीं जवन एक ही बेर सदा खातिर पवित्र लोग के सौंपल गइल रहे। (यहूदा 3)

ऊ (यीशु) ओह लोग से कहले, "हमरा के दोसर नगर सभ में भी परमेश्वर के राज के प्रचार करे के बा, काहेकि एहिजे खातिर हम भेजल गइल बानी।" (लूका 4:43)

बाकिर परमेश्वर के राज के खोजीं, आ ई सब चीज रउआ के दे दिहल जाई। हे छोट झुंड, मत डेराईं, काहेकि रउआ के पिता के ई नीमन लागल बा कि ऊ रउआ के राज देसु। (लूका 12:31-32)

आ राज के ई सुसमाचार पूरा दुनिया में सब जाति के सामने गवाही खातिर प्रचार कइल जाई, आ तब अंत आ जाई। (मत्ती 24:14)